संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 320
पृष्ठ 8
रविवार
09 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– हरी सब्जी खत्म हो गई तो...

विचार– भारत में बढ़ती असमानता और...

खेल– 5000 वनडे पूरे, 55 साल में कितना...

कांवड़ियों पर 20 मिनट बरसे फूल, गदगद दिखे योगी, बोले

यह अटूट आस्था और सामाजिक समरसता का महापर्व

मेरठ (संवाददाता)। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे शिवभक्त कांवड़ियों पर शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ के मोदीपुरम स्थित दुल्हैड़ा चौकी के पास हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की। करीब 20 मिनट तक आसमान से कांवड़ियों पर फूल बरसते रहे। सड़क पर उमड़े शिवभक्तों के सैलाब और हर–हर महादेव के जयघोष के बीच पूरा वातावरण शिवमय हो गया।

मुख्यमंत्री भी कांवड़ियों का उत्साह देखकर गदगद नजर आए। हेलीकॉप्टर से मुख्यमंत्री ने कांवड़ मार्ग पर चल रहे शिवभक्तों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। पुष्पवर्षा के दौरान कांवड़ियों में भी खासा उत्साह दिखाई दिया।

पुष्पवर्षा के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर शिवभक्त अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। श्रद्धालु विभिन्न शिवालयों के साथ मेरठ के प्राचीन औघड़नाथ मंदिर और बागपत के पुरामहादेव मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा को अटूट आस्था, श्रद्धा और उमंग का महापर्व बताया। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों के चेहरों पर उत्साह और उमंग साफ दिखाई दे रही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़ यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता सामाजिक एकता और समरसता है। यात्रा में जाति और भेदभाव दिखाई नहीं देता। प्रांत और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर सभी शिवभक्त अपने आराध्य का जलाभिषेक करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कांवड़ मार्ग पर शिविर लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा कर रहे समाजसेवियों और शिवभक्तों का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि सेवा शिविरों में कांवड़ियों के लिए भोजन, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि शिवरात्रि तक तीन दिन कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की जाएगी। इसके लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि सिपाही से लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी तक श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए पूरी जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं।

चिप से शिप तक सब आपके हाथ से बनेगा

आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में पीएम की बड़ी बातें

दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली का 57वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रधानमंत्री जेन जी से लेकर 74 वर्षीय शोधार्थी सहित 3036 छात्रों को डिग्री देने के लिए पहुंचे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, श्आज देश के आप सभी प्रतिभाशाली युवाओं के जीवन की नई यात्रा शुरू हो रही है। आप इस समय जीवन के एक यादगार पल को जी रहे हैं। उत्साह, उमंग, सपनों और भावनाओं से सराबोर इस क्षण का हिस्सा बनना, आईआईटी दिल्ली के इस कैंपस में आना, आपके साथ ये अनुभव साझा करना, मेरे लिए भी बहुत खास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी दिल्ली परिसर में देश के प्रतिभाशाली युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज सभी छात्रों के जीवन में एक नई यात्रा शुरू हो रही है। प्रधानमंत्री ने इस यादगार पल का हिस्सा बनने और अनुभव साझा करने को अपने लिए विशेष बताया। मोदी ने कहा कि जिस तरह परिवार के सदस्य उन पर गर्व महसूस कर रहे हैं, उसी तरह उन्हें भी सभी छात्रों पर गर्व है। उन्होंने जोर दिया कि छात्र केवल उपाधि नहीं ले रहे, बल्कि देश के लिए बहुत कुछ करने के सपने लेकर जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपनी उपलब्धियों के लिए पदक प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को हार्दिक बधाई दी। आगे कहा कि मैं साफ तौर पर मानता हूं कि चिप से लेकर शिप तक, सब कुछ यहीं आपके अपने हाथों से बनाया जाएगा।

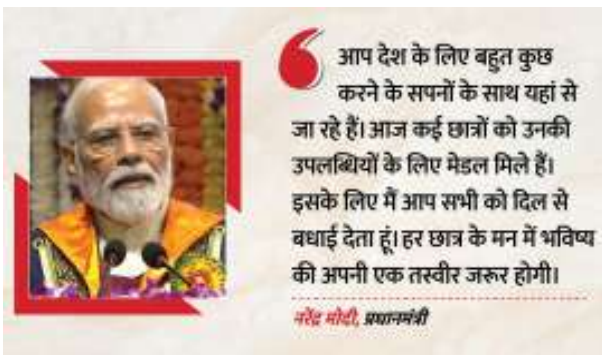

उन्होंने यह भी कहा कि अगर पदक पाने वालों में 1–2 बेटियां भी शामिल होतीं तो और भी बेहतर होता। मोदी ने छात्रों से अपने भविष्य के बारे में सोचने को कहा। उन्होंने आईआईटी दिल्ली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित कुछ नई पहलों के शुभारंभ पर भी शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने छात्रों को आईआईटी दिल्ली में उनके पहले दिन और आज के दिन को याद करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आप सोच रहे होंगे कि कल ही तो अभिविन्यास हुआ था, और अब दीक्षांत समारोह का समय भी आ गया है।

पिनाराई विजयन का बड़ा हमला, बोले

पूरा 'वंदे मातरम्' गाना आरएसएस एजेंडा और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ

केरल (एजेंसी)। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन ने शनिवार को मुख्य सचिव के उस आदेश को वापस लेने की मांग की, जिसमें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार RSS के एजेंडे के सामने झुक रही है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए विजयन ने कहा कि 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण देश के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है और दावा किया कि संविधान सभा ने यह तय किया था कि केवल इसके शुरुआती छंद ही गाए जाने चाहिए।

महिला आरक्षण पर बढ़ा घमासान, राहुल गांधी का सरकार से सीधा सवाल

तीन साल बाद भी क्यों नहीं लागू हुआ कानून?

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की उस चुनौती का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस से 'महिला आरक्षण विधेयक को बिना शर्त समर्थन' देने को कहा था। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि आखिर इस कानून को लागू करने की प्रक्रिया को लोकसभा में परिसीमन की प्रक्रिया से क्यों जोड़ा जा रहा है। कांग्रेस का रुख दोहराते हुए राहुल गांधी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की। गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा,श रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर आपसे बेहतर कौन जानता है कि महिला आरक्षण विधेयक, 2023 पहले ही कांग्रेस के पूरे समर्थन से सर्वसम्मति से पारित हो चुका है। सवाल यह है कि तीन साल बाद भी इसे लागू क्यों नहीं किया गया है और अब आप इसे बेवजह परिसीमन से क्यों जोड़ना चाहते हैं? 2023 का कानून लागू करें। बिना किसी शर्त के। इससे पहले शनिवार को राहुल गांधी द्वारा महिलाओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात किए जाने के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस को महिला आरक्षण विधेयक का बिना शर्त समर्थन करने की चुनौती दी थी। राहुल गांधी ने अपने वीडियो में कहा था कि देश की राजनीति का मकसद श्लोगों को यह समझाना होना चाहिए कि महिलाओं की अभिव्यक्ति के बिना हमारा देश अधूरा और पिछड़ा हुआ है।

झारखंड पेपर लीक

सरकार संग वार्ता बेनतीजा रही, प्रदर्शन जारी रखने का ऐलान

रांची (एजेंसी)। आठ अगस्त भर्ती परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक को लेकर जारी प्रदर्शन के बीच झारखंड सरकार ने शनिवार को विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने अपनी सभी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का फैसला किया है। सरकार की पांच सदस्यीय समिति, जिसमें तीन मंत्री शामिल थे, ने सबसे पहले झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेता देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व वाले प्रदर्शनकारी गुट से मुलाकात की। इस मुद्दे को लेकर महतो के अनशन का शनिवार को सातवां दिन है। इसके बाद समिति ने कांग्रेस समर्थित एनएसयूआई, एसीएस और जेसीएम के प्रतिनिधिमंडलों से भी बातचीत की। इससे पहले शुक्रवार रात को सरकार ने जेपीएससीध जेएसएससी रिफॉर्म मंच के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भी इसी तरह की वार्ता की थी।

आमंत्रण

शहर समता विचार मंच, प्रयागराज

शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी

तारीख - 9 अगस्त

दिन - रविवार

समय - दिन में 3 बजे से

स्थान - शहर समता कार्यालय कर्नलगंज थाने के पीछे

महिला आरक्षण बिल पर बोले डीके शिवकुमार

किरेन रिजिजू को कांग्रेस की चिंता करने की जरूरत नहीं

बंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के उस बयान का जवाब दिया जिसमें उन्होंने महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं को और मजबूत बनाएगी और रिजिजू को कांग्रेस पार्टी की हालत के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ही महिला आरक्षण बिल पेश किया था। डीके शिवकुमार ने कहा कि हमने ही महिला आरक्षण बिल पेश किया था... हम महिलाओं को और मजबूत बनाएंगे... किरेन रिजिजू को कांग्रेस पार्टी के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महिलाओं की अभिव्यक्ति की आजादी के आह्वान के बाद कांग्रेस को महिला आरक्षण बिल का बिना शर्त समर्थन करने की चुनौती दी थी। इसके बाद डीके शिवकुमार का यह बयान आया।

'ट्रंप जो कहते हैं, मोदी मान लेते हैं'

अमेरिकी बिल पर केजरीवाल का पीएम पर तीखा हमला, बोले– भारत को गिरवी रखा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम भारत के हितों की रक्षा करने में विफल रहे हैं। यह हमला अमेरिकी सीनेट के रूसी तेल और गैस खरीदने वाले विधेयक को पारित करने के कदम के बीच आया है।

अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी पर डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों को स्वीकार करके भारत के हितों से समझौता करने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप देश के मामलों में लगातार हस्तक्षेप कर रहे हैं। केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर लिखा कि नरेंद्र मोदी ने देश को अमेरिका के पास गिरवी रख दिया है। उन्होंने ट्रंप की गुलामी स्वीकार कर भारत का अपमान कराया है। केजरीवाल के अनुसार, आज देश के हर छोटे–बड़े फैसले में ट्रंप का हस्तक्षेप है। मोदी ट्रंप की हर बात मानते हैं, चाहे वह सही हो या गलत। ट्रंप हर क्षेत्र में भारत के खिलाफ फैसले लेते हैं। केजरीवाल ने अपने आरोपों के लिए अमेरिकी सीनेट के विधेयक का हवाला दिया। यह विधेयक रूसी तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग करता है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में भारत के हितों की रक्षा नहीं की जा रही है। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर सवाल उठाए।

'माई तौ नाहीं आ पइहैं... कम से कम दुनौ भाई अबान का आखिरी बार मुंह तौ देख लेइहैं', होती रही चर्चा

प्रयागराज। अतीक अहमद के बेटे अबान का शव शुक्रवार तड़के प्रयागराज के हटवा लाया गया। उसके अंतिम दर्शन के लिए दिनभर भीड़ उमड़ी। कब्रिस्तान के बाहर इंतजार किया गया। भाइयों को पैरोल की भी दिनभर चर्चा रही। इस दौरान पुलिस का कड़ा पहरा रहा। अरे यार... माई तौ नाहीं आ पइहैं... कम से कम दुनौ भाई अबान का आखिरी बार मुंह तौ देख लेइहैं... हटवा और चकिया की गलियों में शुक्रवार को दिनभर यही बात होती रही। शुक्रवार तड़के अबान का शव पहुंचने के बाद से ही हटवा में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। सुबह चार बजे के करीब अबान का शव हटवा निवासी बुआ परवीन कुरैशी के घर पहुंचा। इसके बाद आसपास के गांवों और शहर के विभिन्न हिस्सों से लोग घर पहुंचने लगे। बड़ी संख्या में वाहन पहुंचने के कारण कई जगह यातायात प्रभावित हुआ। पूरे दिन लोग परिवार के

सदस्यों को ढांढस बंधाते रहे और हादसे से जुड़ी जानकारी लेते रहे। दूसरी ओर, चकिया स्थित अतीक अहमद के जमींदोज मकान के बाहर भी हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ लगी रही। कई लोग सिर्फ घटनाक्रम की जानकारी लेने और माहौल देखने के लिए पहुंचते रहे। आसपास की गलियों और मुख्य मार्गों पर लोगों का जमावड़ा बना रहा। शहर के अलग-अलग इलाकों से भी लोग चकिया पहुंचते रहे।

कब्रिस्तान के मुख्य प्रवेश द्वार पर पुलिस रही अलर्ट

कसारी-मसारी कब्रिस्तान में भी सुबह से ही हलचल शुरू हो गई थी। सुपुर्द-ए-खाक की तैयारियों के तहत कब्र पहले ही खोद दी गई थी। दोपहर होते-होते कब्रिस्तान के बाहर बड़ी संख्या में लोग जुटने लगे। कई लोग लंबे समय तक वहीं खड़े रहकर अंतिम रस्म का इंतजार करते रहे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कब्रिस्तान के मुख्य प्रवेश द्वार पुलिस तैनाती थी। बाद में पता चला कि सुपुर्द-ए-खाक शनिवार को होगा। संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। हटवा, चकिया, कसारी-मसारी कब्रिस्तान और आसपास के प्रमुख मार्गों को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। करेली, धूमनगंज समेत पूरामुफ्ती थाने की पुलिस अलग-अलग स्थानों पर तैनात रही। सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी पूरे दिन हालात पर नजर बनाए रहे। पूरे दिन इन इलाकों में गम, संवेदना, चर्चाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं का मिला-जुला माहौल रहा। लोगों के बीच यह चर्चा रही कि जुमे की नमाज के बाद अबान को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। हालांकि, बाद में जानकारी मिली कि अंतिम संस्कार से पहले भाई अली और उमर की कोर्ट में पैरोल संबंधी सुनवाई होनी है। इसके बाद पूरे दिन लोगों की निगाहें कोर्ट की कार्रवाई पर टिकी रहीं। दोपहर बाद झांसी और लखनऊ जेल से वीडियो कांफ्रेंस के जरिये सुनवाई की सूचना मिलने पर लोग लगातार एक-दूसरे से जानकारी साझा करते रहे।

जलभराव से खुली विकास की कलई

प्रयागराज। बारिश के साथ ही क्षेत्र की बदहाल सड़कों की हकीकत एक बार फिर सामने आ गई है। हल्की बारिश होते ही सड़कों पर जलभराव हो गया। यह जलभराव लोगों को जीवनभर का दर्द दे रहा है। क्षेत्र के बेलवा गांव जाने वाली मुख्य सड़क, जगदेवपुर- बरेठी से बाबूगंज संपर्क मार्ग, फूलपुर-प्रतापपुर मार्ग पर यादव चौराहा से बसनेहटा गांव जाने वाला संपर्क मार्ग, कनौजा गांव, बाबूगंज बाजार में प्रयागराज- जौनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्सों में बारिश के बाद ही पानी भर जाता है।

सड़कों पर गड्ढे होने से हादसे का खतरा रहता है। सबसे अधिक दिक्कत दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को होती है। बेलवा गांव के परमानंद, राधेश्याम और पंकज आदि ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या बहुत पुरानी है। हर वर्ष बारिश में यही हाल रहता है, लेकिन जल निकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं होने से स्थिति जस की तस है। कई बार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी समाधान के लिए गंभीर नहीं हुए, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

उग्रसेनपुर-प्रतापपुर मार्ग से जुड़े घोड़दौली (अल्पी का पूरा) संपर्क मार्ग की बदहाली से नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार को सड़क पर धान की रोपाई कर विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई है। बरसात में यह मार्ग जलभराव और कीचड़ से लबालब हो जाता है, जिससे आवागमन जोखिम भरा बन जाता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मरम्मत नहीं कराई गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में बलवंत मिश्रा, हारून अंसारी, विमलेश मिश्रा सूर्या यादव, कमला शंकर मिश्रा, हरिशंकर मिश्रा, रामनिवास मिश्रा, राज पांडेय, नीलेश मिश्रा और विपिन मौजूद रहे।

अधिक दाम पर हो रही खाद की बिक्री, कार्रवाई की मांग

प्रयागराज। साधन सहकारी समिति तथा निजी खाद दुकानों पर यूरिया और डीएपी अधिक दाम पर बेचे जाने का मामला सामने आया है। किसानों ने इसकी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। बहरिया क्षेत्र के कहली, भोला चौराहा और करनाईपुर महुली स्थित साधन सहकारी समिति और अन्य दुकानों पर महंगी खाद बिक्री की शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता फूलचंद्र, रमेश कुमार और शिवदत्त त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि निजी दुकानों पर यूरिया 400 रुपये प्रति बोरी तक बेची जा रही है, जबकि सरकारी निर्धारित मूल्य 267 रुपये 50 पैसे प्रति बोरी है। सहकारी समितियों पर भी 280 रुपये प्रति बोरी वसूलने का आरोप लगाया गया है।

किसानों का कहना है कि खाद उपलब्ध नहीं होने से उन्हें कई दिनों तक समितियों और दुकानों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं और मजबूरी में अधिक कीमत पर खाद खरीदनी पड़ रही है। किसानों का कहना है कि समय पर खाद न मिलने से फसल की बढ़वार प्रभावित होने की आशंका है। शिकायतकर्ताओं ने पूरे मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा किसानों को सरकारी निर्धारित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध कराने की मांग की है।

राहुल गांधी के खिलाफ शहर में लगे पोस्टरों को कांग्रेस नेताओं ने फाड़ा, 40 जगह से हटवाए गए

प्रयागराज। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रयागराज आने से पहले शहर में उनके खिलाफ जगह-जगह पोस्टर लगा दिए गए। रविवार को सुबह कांग्रेस के नेताओं ने इन पोस्टरों को फाड़ दिया और होर्डिंग को हटवा दिया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रयागराज आने से पहले शहर में उनके खिलाफ जगह-जगह पोस्टर लगा दिए गए। रविवार को सुबह कांग्रेस के नेताओं ने इन पोस्टरों को फाड़ दिया और होर्डिंग को हटवा दिया। सिविल लाइंस इलाके के सुभाष चौराहा, हनुमान मंदिर चौराहा, मेडिकल चौराहे, केपी ग्राउंड, बालसन चौराहा, हाईकोर्ट के आसपास समेत शहर के कई स्थानों पर राहुल गांधी को टारगेट करते हुए उनके खिलाफ पोस्टर लगाए गए थे।

कांग्रेस के नेताओं ने सुबह पूरे शहर में भ्रमण करके पोस्टरों को फाड़कर हटवा दिया। कांग्रेस के नेताओं ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर पोस्ट भी साझा किया है और कहा कि राहुल के कार्यक्रम से बौखलाकर भाजपा के लोगों ने राहुल गांधी की छवि धूमिल करने के लिए यह कार्य किया है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्टर फाड़ने का वीडियो साझा किया है। प्रदेश महासचिव मांटी शुक्ला ने सिविल लाइंस इलाके में राहुल गांधी के खिलाफ लगे पोस्टरों को फाड़कर हटवा दिया। कहा कि रात तक पोस्टर नहीं लगे थे भोर में किसी ने पोस्टर लगाए हैं।

शाम को छात्रों से संवाद करेंगे राहुल

पेपर लीक समेत छात्रों के कई मुद्दों को लेकर देश भर में छात्रों की गूंज के नाम से संवाद कर रहे राहुल गांधी शनिवार को प्रयागराज में छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम मेडिकल चौराहे के पास स्थित केपी ग्राउंड में आयोजित किया गया है। यहां पर तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। शाम को साढ़े छह बजे मैदान में राहुल गांधी के पहुंचने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रयागराज का मौसम भी आज खराब है। सुबह से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है। कभी धूप तो कभी रिमझिम बारिश का मौसम बना हुआ है।

एसटीएफ ने 50 हजार के इनामी तस्कर को सोनीपत से पकड़ा, अंडों की आड़ में भेजता था शराब

प्रयागराज। शराब तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य वांछित 50 हजार रुपये के इनामी अजय जैन को एसटीएफ ने हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी वर्ष 2023 में नवाबगंज क्षेत्र में पकड़ी गई अवैध शराब की बड़ी खेप के मामले में वांछित चल रहा था।

शराब तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य वांछित 50 हजार रुपये के इनामी अजय जैन को एसटीएफ ने हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी वर्ष 2023 में नवाबगंज क्षेत्र में पकड़ी गई अवैध शराब की बड़ी खेप के मामले में वांछित चल रहा था। मूलरूप से पंजाब के मोहाली जीरकपुर स्थित ममता एनक्लेव निवासी आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन और 2060 रुपये बरामद हुआ है।

एसटीएफ प्रयागराज की टीम काफी समय से इनामी और फरार अपराधियों के बारे में जानकारी जुटा रही थी। इसी दौरान अजय जैन के सोनीपत में छिपे होने की सूचना मिली। पुलिस उपाधीक्षक शैलेश प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण और निरीक्षक जय प्रकाश राय के नेतृत्व में टीम ने उसे चंडीगढ़-दिल्ली हाईवे स्थित सोनीपत के गन्नौर स्थित इंडस्ट्रियल एरिया फेज-एक से दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका शराब तस्करी का पास्ता और आलू जैसे सामान का इस्तेमाल किया जाता था।

2023 में प्रयागराज में खुला था गिरोह का राज

एसटीएफ के मुताबिक, वर्ष 2023 में अजय जैन और उसके साथियों ने भारी मात्रा में अवैध शराब ट्रक में लोड कराई थी। शराब को गत्तों में रखे सड़े अंडों की आड़ में उत्तर प्रदेश के रास्ते बिहार और झारखंड भेजा जा रहा था।

एसटीएफ ने प्रयागराज में शराब की इस खेप को पकड़ लिया था। मामले में नवाबगंज थाने में एफआईआर दर्ज कर ट्रक चालक को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इसके बाद से अजय जैन फरार चल रहा था। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

यूपी समेत कई राज्यों में करता था सप्लाई

एसटीएफ के मुताबिक,

सक्रिय गिरोह है।

वह अपने पार्टनर नवदीप सिंह उर्फ नवी ग्रेवाल उर्फ लकी सिंह और अन्य साथियों के साथ मिलकर कई वर्षों से शराब की तस्करी कर रहा था। गिरोह पंजाब और चंडीगढ़ से शराब ट्रकों में लोड कर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात और उत्तराखंड तक भेजता था। पुलिस से बचने के लिए शराब की पेटियों को ट्रकों में दूसरे सामान के बीच छिपाया जाता था। इसके लिए अंडे, मुर्गी का दाना, प्लास्टिक स्क्रैप, आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर चंडीगढ़ और पंजाब से शराब लाकर उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में सप्लाई करता था। गिरफ्तारी के बाद टीम ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे प्रयागराज लाया गया। उसे नवाबगंज थाने में दर्ज प्राथमिकी में दाखिल कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसटीएफ की जांच में पता चला कि आरोपी के खिलाफ नवाबगंज के अलावा पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब में एफआईआर दर्ज हैं।

दो मजदूरों की मौत पर फूटा गुस्सा, ग्रामीणों ने शव रखकर मिर्जापुर राजमार्ग पर लगाया जाम

प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के समोगर में सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस की चपेट से दो मजदूरों की मौत हो गई थी। शनिवार को शव पोस्टमार्टम के बाद लाया गया तो परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा।

औद्योगिक थाना क्षेत्र के समोगर में सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस की चपेट से दो मजदूरों की मौत हो गई थी। शनिवार को शव पोस्टमार्टम के बाद लाया गया तो परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ घर वालों ने शव को मुंगारी गांव के सामने मिर्जापुर- प्रयागराज हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई। ग्रामीण जमीन का पट्टा और आर्थिक मदद की मांग कर रहे हैं। अधिकारी समझाने में जुटे हैं।

सेप्टिक टैंक में शटरिंग खोलने उतरे दो लोगों की दम घुटने से हुई थी मौत

औद्योगिक क्षेत्र के नेवादा समोगर में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन मकान के सेप्टिक टैंक के अंदर शटरिंग खोलने उतरे दो मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई थी। एसीपी करछना, औद्योगिक क्षेत्र पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। टैंक से दोनों शव बाहर निकाले गए। एक ही गांव के रहने वाले दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजे थे। पुलिस ठेकेदार और भवन मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

नेवादा समोगर निवासी धर्मेंद्र केसरवानी ने अपने मकान में सेप्टिक टैंक बनवाया था। दो सप्ताह पूर्व इसकी छत की ढलाई हुई थी। ठेकेदार अभय राज शटरिंग खुलवाने के लिए औद्योगिक क्षेत्र के बैंदो गांव निवासी निहाल शुक्ला उर्फ जीतू (34) पुत्र स्व. मथुरा प्रसाद शुक्ला और रजत शुक्ला (33) पुत्र विनोद शुक्ला को लेकर गए। भवन मालिक व ठेकेदार उन्हें बाहर निकालने का प्रयास करने लगे। लेकिन, असफल रहने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह, औद्योगिक क्षेत्र पुलिस व फायर ब्रिगेड नैनी की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की टीम जब तक दोनों को टैंक से बाहर निकालती तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

आंखों के सामने नहर में डूबा बेटा, चीखती रही मां

प्रयागराज। गन्ने गांव में शुक्रवार को ननिहाल आया सात वर्षीय बालक नहर में डूब गया। बेटे को डूबता देख मां ने बचाने के लिए गुहार लगाई, लेकिन तेज बहाव के कारण बालक गहरे पानी में समा गया। पुलिस गोताखोरों के साथ बालक को खोजने का प्रयास कर रही है। कौंधियारा के सेहरा, नौवां निवासी मटरू उर्फ चौबे वनवासी का सात वर्षीय पुत्र विकास मां दुईली के साथ बृहस्पतिवार को अपने ननिहाल गन्ने आया था। वह अपनी मां के साथ नहर के पास गया था।

छात्रों युवाओं के हितैषी नहीं हैं राहुल गांधी-अखिलेश यादव, पीडीए को लेकर सपा का चरित्र फर्जी

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज में राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर जमकर निशाना साधा। अपने प्रवास के दूसरे दिन सर्किट हाउस में उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज में राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर जमकर निशाना साधा। अपने प्रवास के दूसरे दिन सर्किट हाउस में उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी फ्लाप हो गई है। पेपर लीक मुद्दे के सहारे राहुल गांधी युवाओं को अपना वोट बैंक समझ रहे हैं। कहा कि राहुल गांधी पेपर लीक के मुद्दे पर झारखंड क्यों नहीं जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं से कहा कि विपक्ष के मंसूबों पर पैनी नजर रखें। डिप्टी सीएम ने कहा कि राहुल और अखिलेश छात्रों के हितैषी नहीं हैं। राहुल गांधी का एक ही एजेंडा है जहां जहां भाजपा की सरकार है वहां जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करना। ये उनमें वोटबैंक तलाश रहे हैं

लेकिन इन्हें न तो युवाओं न गरीबों न तो किसानों और न महिलाओं का समर्थन प्राप्त है। राहुल अखिलेश की जोड़ी कई बार मात खा चुकी है और 2027 में यह दोनों पराजय के द्वार पर खड़े हैं। कहा कि जब अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने पीडीए का शोषण किया। अब पीडीए में पी का मतलब पंडित बताकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। पीडीए को लेकर अखिलेश यादव का चरित्र फर्जी है। सत्ता में रहने के दौरान उन्हें पिछड़े, दलित और पंडितों की याद क्यों नहीं आई। उनकी जमीन और मकान पर कब्जा किया गया। गुंडों को संरक्षण देने का कार्य सपा ने किया। 2027 में तीसरी बार प्रदेश में भाजपा सरकार बनने जा रही है। 2017 से अधिक जनसमर्थन 2027 में दिख रहा है भाजपा के पक्ष में। अखिलेश यादव जानते हैं कि उनको 2027 में नहीं आना इसलिए बौखलाहट में वे पीडीए की बात कर रहे हैं। भाजपा काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ला, कविता पटेल, आनंद सोनकर, अनुज कुशवाहा, पार्षद राजू शुक्ला, विजय द्विवेदी, विभावनाथ भारती, वरुण केसरवानी, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा, शुभम सिंह, मयंक दुबे, प्रियंका पराशर आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद के बाद डिप्टी सीएम गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान के अशोक नगर स्थित आवास गए। जहां कार्यकर्ताओं एवं उनके परिवारीजनों से औपचारिक भेंट कर डिप्टी सीएम बमरौली एयरपोर्ट के लिए निकल गए और वहां से लखनऊ के लिए प्रस्थान किया।

बाइक की चपेट में आकर घायल बालिका की अस्पताल ले जाते समय मौत

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के सियाडीह गांव में शुक्रवार की शाम को हंडिया-जंघई मार्ग पर बाइक की टक्कर से घायल बालिका की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। सियाडीह गांव निवासी अजय कुमार गुप्ता का गांव में ही हंडिया-जंघई मार्ग के पास मकान है। अजय पुणे में रहकर ट्रक ड्राइवर का काम करते हैं। उनकी पत्नी नादानी देवी बेटा शिवांश (10), बेटी शिवानी (9) तथा श्रेया (8) के साथ घर पर रहती हैं। शिवानी स्थानीय एक स्कूल में यूकेजी की छात्रा थी। शुक्रवार की शाम 4 बजे के करीब वह घर के सामने खेल रही थी। इसी बीच जंघई की तरफ से तेज रफ्तार से आ रहे बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दिया। गंभीर रूप से घायल होकर वह बेसुध हो गई। परिजन तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरांयपीथा धनूपुर ले गए। हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल बालिका के मौत की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल अनूप सरोज ने कहा कि तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग पर अड़े परिजन

प्रयागराज। पोस्टमार्टम के बाद किसान प्रेमचन्द्र यादव का शव शुक्रवार शाम को घर लाया गया तो परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। परिजन आर्थिक सहायता के साथ आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाए जाने की मांग की है। हालांकि, पुलिस प्रशासन आक्रोशित परिजनों को समझाने में जुटी रही। आक्रोशित परिजन मांग पूरी न होने तक शव का अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया है। मेजा थाना क्षेत्र के बैरहना गांव के किसान प्रेमचन्द्र यादव (40) की फसल की रखवाली करने के दौरान फावड़े से हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि पड़ोस के पप्पू, उसका बेटा गुड्डू और पप्पू के दो सगे भाइयों ने घटना को अंजाम दिया है। आरोप है कि पप्पू और उसका बेटा गुड्डू प्रेमचन्द्र यादव की फसल को नष्ट कर देते थे। इसलिए फसल की रखवाली के लिए प्रेमचन्द्र खेत में रात बिताते थे। मामले में पुलिस ने आरोपी पप्पू और उसके बेटे गुड्डू को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अन्य दो आरोपियों की तलाश की जा रही है। शुक्रवार को छोटे बेटे अजीत यादव ने आर्थिक सहायता की मांग के साथ-साथ आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाए जाने की मांग की है।

इस दौरान पुलिस-प्रशासन के खिलाफ परिजनों की नाराजगी देखी गई। मृतक के तीनों बेटे अरुण, अनिल और अजीत का रो-रोकर हाल बेहाल है। मौके पर एसीपी मेजा बृजेश पाठक के साथ मेजा इंस्पेक्टर नितेंद्र कुमार शुक्ला सहित कई थानों की फोर्स मौजूद रही। इंस्पेक्टर नितेंद्र शुक्ला ने बताया कि दो डॉक्टरों के पैनल की मौजदूगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके अलावा वीडियोग्राफी भी कराई गई। घटना के दूसरे ग्रामीणों ने कहा कि आरोपियों को फांसी की सजा होनी चाहिए। मृतक के बेटे अजीत ने बताया कि पखवाड़े भर पहले खेत में लगाई गई धान की फसल को प्रतिदिन उखाड़ फेंका जा रहा था, जिससे काफी नुकसान हो गया था। बेटे अजीत यादव ने बताया कि पखवारे भर से धान की फसल उखाड़कर नष्ट की जा रही थी। इसकी शिकायत कोहड़ार पुलिस से की गई थी लेकिन कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि, पुलिस ने कहा कि घटना की जानकारी नहीं दी गई थी।

प्रख्यात कथा व्यास देवव्रत महाराज से भयहरण नाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने सपरिवार की मुलाकात/नागपंचमी पर किया आमंत्रित

प्रतापगढ़ गौरव सम्मान समिति की बैठक शीघ्र, प्रस्तावों पर होगा अंतिम निर्णय, घुघुरी लोक उत्सव में सावनी रंग में रंगेगा भयहरण नाथ धाम

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने प्रख्यात कथा व्यास एवं सिद्ध संत देवव्रत महाराज से सावन मास में प्रयागराज के शिव कोटि तीर्थ में भेंट कर नागपंचमी पर होने वाले घुघुरी लोक उत्सव में आमंत्रित

किया। साथ ही जनपद, क्षेत्र व समाज के आध्यात्मिक व भौतिक उत्थान तथा भावी योजनाओं पर सार्थक संवाद किया गया। इस अवसर पर उनके साथ धर्मपत्नी प्रीति समाज व पुत्र यथार्थ शेखर भी उपस्थित रहे। भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि 12 अगस्त तक प्रतापगढ़ गौरव सम्मान हेतु आयोजन समिति की बैठक अध्यक्ष एवं पूर्व जिलाधिकारी व आयुक्त आर.एस. वर्मा की अध्यक्षता में कर चयन प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। 17 अगस्त को भयहरण नाथ धाम में आयोजित घुघुरी लोक उत्सव में गत वर्षों की भांति यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। साथ ही इस अवसर पर प्रतिभाशाली महिलाओं को गुड़िया सम्मान व जीवनपर्यंत उत्कृष्ट कार्यों हेतु विशिष्ट नागरिकों को आजादी के महान नायक बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान प्रदान किया जाएगा।

घुघुरी लोक उत्सव के कार्यक्रम की प्रारंभिक जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया कि इस अवसर पर 2 किलोमीटर तेज दौड़ प्रतियोगिता होगी, वहीं गुड्डा–गुड़िया व फुलझड़ी प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। लोक व्यंजन प्रभु भयहरण नाथ महादेव को समर्पित कर जनसामान्य को प्रसाद रूप में वितरित होगा। लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकगीत, आल्हा, सावनी गीत आदि का गायन, सुरुचिपूर्ण काव्य पाठ व संत वचन श्रवण का लाभ मिलेगा। विकास विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा सूचना विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से स्वस्थ मनोरंजन व जागरूकता पैदा की जाएगी।

जन भवन से निकली साइकिल रैली, नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश

लखनऊ (संवाददाता)। नशे के खिलाफ जागरूकता को जन–जन तक पहुंचाने के लिए योगी सरकार की मुहिम में सरकारी तंत्र के साथ आम लोगों की भागीदारी भी बढ़ रही है। जन भवन से 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली में जन भवन के करीब 150 कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसका उद्देश्य समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के निर्देशन पर साइकिल रैली जन भवन से रवाना होकर लखनऊ के विभिन्न वार्डों से होते हुए पुनरू जन भवन पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने नशे के विरुद्ध जागरूकता का संदेश दिया। रैली के विभिन्न पड़ावों पर जनसमुदाय को नशे के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का आह्वान किया गया।योगी सरकार के कार्यकाल में नशे के खिलाफ जागरूकता को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय इसे सामाजिक भागीदारी से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। साइकिल रैली इसी सोच का उदाहरण बनी। राज्य मद्यनिषेध अधिकारी आर.एल राजवंशी ने कहा कि 'नशा मुक्त भारत अभियान' का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना है। साइकिल रैली के जरिए जनसामान्य तक यह संदेश पहुंचाया गया कि स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस दौरान राज्यपाल के विशेष कार्य अधिकारी सुधीर एम. बोबडे, पार्षद नागेंद्र चौहान, पार्षद अमित चौधरी समेत उत्तर प्रदेश के कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने के लिये छात्रों को किया प्रेरित

लखनऊ (संवाददाता)। जनविकास महासभा एवं सोक्ट द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आज एस डी मेमोरियल इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा के प्रदर्शन के प्रति प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए जनविकास महासभा के अध्यक्ष पंकज कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों को बताया की वर्तमान समय में हम सभी को अपनी प्रतिभा के प्रति जागरूक रहना चाहिए, क्योंकि जो विद्यार्थी अपने टैलेंट के अनुरूप अपना करियर का चुनाव करते हैं उनके जीवन में सफल होने का प्रतिशत ज्यादा होता है। अतः विद्यार्थियों को चाहिए की पढ़ाई के साथ–साथ अपने अंदर के टैलेंट को भी आगे बढ़ाएं इसी क्रम में कार्यशाला में शामिल हुए बच्चों उनके अंदर की प्रतिभा को बताने के लिए प्रेरित किया गया जिसमें बच्चों ने बढ़–चढ़ के हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं जल संरक्षण तथा नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प दिलाया गया।

ऐश्वर्य राज सिंह बने रालोद के प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय लोकदल ने विधान सभा चुनाव से पहले प्रदेश संगठन की कमान युवा नेता एवं बस्ती के राजपरिवार से संबंध रखने वाले ऐश्वर्य राज सिंह के हाथ में सौंप दी है। आर एल डी नेतृत्व का यह निर्णय पूर्वांचल को साधने का कार्ड माना जा रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयन्त चौधरी ने आईटी सेल में काम कर चुके ऐश्वर्य को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर नौजवानों एवं प्रबुद्ध लोगों के बीच अहम संदेश दिया है।ऐश्वर्य 2017 विधान सभा चुनाव में रालोद के टिकट पर बस्ती से चुनाव भी लड़ चुके हैं। रामाशीष राय ने पार्टी पर किसानों, नौजवानों एवं वंचितों की आवाज न उठाने का आरोप लगाकर प्रदेश अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था।

क्रांति दिवस पर सेंट्रल जेल में हिंदी लेखिका संघ का आयोजन

देशभक्ति गीतों, कविताओं और रचनात्मक अभिव्यक्तियों से गूंजा सेंट्रल जेल परिसर

जबलपुर। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी क्रांति दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी लेखिका संघ, मध्य प्रदेश की जबलपुर इकाई द्वारा सेंट्रल जेल, जबलपुर में क्रांति दिवस का आयोजन किया गया। सेंट्रल जेल में निरुद्ध बंदी भाई–बहनों के साथ देशभक्ति एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेल में निरुद्ध बंदी भाई–बहनों की रचनात्मक प्रतिभा एवं अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करना था।

कार्यक्रम में सेंट्रल जेल की सुमधुर ऑर्केस्ट्रा टीम ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से भर दिया। ऑर्केस्ट्रा टीम के कलाकारों के साथ राजकुमार ने भी देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर रचनाकार बंदी भाई–बहनों ने अपनी स्वरचित रचनाओं का पाठ कर अपनी साहित्यिक प्रतिभा का परिचय दिया। पुरुष बंदियों में तीरथ, अमित मयंक, लखन, मणिराज, अजय, रमेश एवं दुर्गा प्रसाद ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। बंदी भाई मणिराज ने बताया कि उन्होंने एक उपन्यास भी लिखा है। उन्होंने अपनी कविता का प्रभावशाली पाठ भी किया। महिला बंदियों में अनुसूइया सहित अन्य प्रतिभागियों ने कविता एवं स्वरचित रचनाओं का पाठ किया।

हिंदी लेखिका संघ की ओर से भी रचनाकारों ने अपनी रचनाएं एवं विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डॉ. सलमा जमाल, श्रीमती ज्योति मिश्रा, रेखा चौधरी, उमा मिश्रा, प्रीति, मनीषा गौतम, प्रतिमा अखिलेश, डॉ. मीना गुप्ता, डॉ. छाया सिंह एवं डॉ. अंकिता नेमा ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में नन्ही बालिका नॉमिश वास्तव ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की ओजस्वी कविता का प्रभावशाली पाठ कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मंचासीन पदाधिकारियों में हिंदी लेखिका संघ की अध्यक्ष डॉ. कामना कौस्तुभ, कार्यक्रम सलाहकार अर्चना मलैया, दिशादर्शक श्रीमती निर्मला तिवारी तथा संरक्षिकाएं डॉ. छाया सिंह एवं डॉ. शोभा सिंह उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जेल अधीक्षक श्री अखिलेश तोमर एवं उप अधीक्षक श्री मदन कमलेश के साथ कल्याण अधिकारी श्रीमती सरिता घारू का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा। इन सभी के संयोजन एवं सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन कल्याण अधिकारी श्रीमती सरिता घारू एवं हिंदी लेखिका संघ की अध्यक्ष डॉ. कामना कौस्तुभ ने किया।

इस अवसर पर हिंदी लेखिका संघ की सभी लेखिकाएं सेंट्रल जेल की लाइब्रेरी के लिए पुस्तकें लेकर पहुंचीं। लेखिकाओं द्वारा बंदी भाई–बहनों के लिए विभिन्न विषयों की पुस्तकें भेंट की गईं। इस पहल का उद्देश्य बंदियों को साहित्य एवं ज्ञान से जोड़ना तथा उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को और अधिक प्रोत्साहित करना था।

सेंट्रल जेल की कल्याण अधिकारी श्रीमती सरिता घारू ने भी अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी। बंदी भाई–बहनों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ–साथ उनके साहित्यिक प्रयासों को प्रोत्साहित किया गया।

हिंदी लेखिका संघ की ओर से उपस्थित पदाधिकारियों एवं साहित्यकारों ने बंदी भाई–बहनों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि साहित्य और कला व्यक्ति की सकारात्मक ऊर्जा को अभिव्यक्ति देने का सशक्त माध्यम हैं। ऐसे आयोजन निरुद्ध बंदियों को अपनी प्रतिभा को पहचानने, व्यक्त करने और समाज से भावनात्मक रूप से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम सलाहकार श्रीमती अर्चना मलैया ने आभार प्रदर्शन किया। उन्होंने जेल प्रशासन, कल्याण अधिकारी, ऑर्केस्ट्रा टीम, प्रतिभागी बंदी भाई–बहनों एवं हिंदी लेखिका संघ की सभी लेखिकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मंचासीन पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने बंदी भाई–बहनों का उत्साहवर्धन किया। क्रांति दिवस का यह आयोजन देशभक्ति, साहित्य एवं मानवीय संवेदनाओं के सुंदर संगम के रूप में यादगार रहा।

ईश्वर शरण में 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा' कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के संगठन माय भारत प्रयागराज एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत के लिए मुक्त युवा' कार्यक्रम के अंतर्गतआज दिनांक 8 अगस्त 2026 को महाविद्यालय में भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत का आयोजन किया गया। वाग्देवी मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय एन एस एस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्रा ने कहा कि नशा मुक्त युवा, विकसित भारत के लिए, भारत सरकार का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है जिसका उद्देश्य देश के युवा में नशा वर्धक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता फैलाकर स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना है। इस कार्यक्रम के तहत अनेक गतिविधियों में भाग लेकर, रचनात्मक प्रतियोगिताएं कर देश के युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम में बड़े पैमाने पर सहयोग किया जा सकता है। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत, प्रयागराज की उपनिदेशक सुश्री जागृति पांडे ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में नशा मुक्ति पर एक वीडियो भी प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने अपने पाथेय उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थानों में संकाय सदस्य व छात्रों के बीच, समाज में ज़मीनी स्तर पर नशा के खिलाफ जागरूकता पैदा करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। युवाओं के कंधों पर ही देश की जिम्मेदारी टिकी है अतः युवा और समाज का नशा मुक्त होना अत्यंत आवश्यक है।

साथी उन्होंने प्रयागराज का नशा मुक्ति घोषणा पत्र भी जारी किया जिसके तहत नशा मुक्ति हेतु विविध कार्यक्रम सतत रुप से आयोजित किया जाएगा।इस कार्यक्रम में प्रयागराज के विविध संस्थाओं ब्लॉक एवं जिला स्तर पर पंजीकृत 15 से 29 वर्ष के युवाओं द्वारा 8 विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से नशा व मादक पदार्थों से होने वाली जीवन की अनेक समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए नशा मुक्ति के बाद के जीवन को रेखांकित करने का प्रयास किया गया। 8 विधाओं में नुक्कड़ नाटक, डांस, म्यूजिक एंड रैप, रील / शॉर्ट फिल्म, पेंटिंग, डिबेट, स्लोगन राइटिंग, स्लैम पोएट्री का आयोजन किया गया जिसमें अनेक छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साह व जोश से विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। ज्यूरी मेंबर्स द्वारा प्रतिभागियों का स्थान चयन किया गया। स्लोगन राइटिंग में क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर शुभम चौरसिया, ममतेश मीना,आदित्य सिंह, डिबेट में वंशिका पाठक, निर्मल कांत पांडे, मुस्कान त्रिपाठी, डांस में प्रथम पीहू कुमारी और टीम द्वितीय स्थान पर आस्था कुमारी और टीम, पेंटिंग प्रतियोगिता में स्नेहा, उन्नति सिंह, बद्री विशाल पटेल, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में शिवानी और टीम प्रथम स्थान, अदिति तिवारी और टीम द्वितीय स्थान, आयुष केसरी और टीम तृतीय स्थान, रील / शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता में आदर्श पटेल, कौस्तुभ त्रिपाठी, अमरदीप ओझा, स्लैम पोएट्री प्रतियोगिता में वर्षा दुबे, शिवम मिश्रा, अनुज कुमार, म्यूजिक और रैप प्रतियोगिता में आर्यन श्रीवास्तव और वेद प्रथम स्थान, बमबम कुमार और टीम द्वितीय,आंचल मिश्रा तृतीय स्थान पर रहे। प्रतिभागियों को मेडल तथा सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

निर्णायक मंडल में प्रो. अशोक कुमार पांडे, डॉ अरविंद कुमार मिश्र,डॉ अंजना श्रीवास्तव, डॉ कृष्ण सिंह, डॉ शैलेश यादव, डॉ गायत्री सिंह, डॉ रेफाक़ अहमद, डॉ लवलेश सिंह, डॉ आलोक मिश्रा, श्री मनोज कुमार कुशवाहा, श्री शरद कुमार , कृष्ण कुमार मौर्य, महेश द्विवेदी, राम अवध कुशवाहा, डॉ सच्चिदानंद त्रिपाठी, आदि रहे।

कार्यक्रम का संचालन अमरेश दुबे, एंबेसडर,एल20 ने तथा धन्यवाद ज्ञापन एन एस एस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्रा ने किया। कार्यक्रम के अंत में नशा विरोधी शपथ ली गई तथा जलपान वितरण किया गया।अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान द्वारा हुआ। इस अवसर पर राजन जी, कुलदीप मिश्रा, केतन मोदनवाल, श्वेतांक अग्रवाल, युवराज, कार्तिक, अरुण, मुस्कान, अमीषा, साक्षी आशीष, रवि इत्यादि की सराहनीय भूमिका रही।

व्यापारी के घर चोरी करने और परिवार को अधमरा करने वाले दो चोर गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। इंदिरानगर के अमराई गांव में व्यापारी के घर में चोरी करने और परिवार को मारपीट कर अधमरा करने वाले 2 चोर 15 दिन बाद गिरफ्तार हो गए हैं। शनिवार को एडीसीपी पूर्वी अमोल मुरकुट ने अपने कार्यालय में इस घटना का खुलासा किया। उन्होंने यह भी बताया कि अभी 2 अन्य चोरों की तलाश की जा रही है। उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एडीसीपी ने बताया दीपक गुप्ता ने 25 जुलाई को इंदिरानगर थाने में शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि दो अज्ञात चोर घर के पीछे की दीवार कूदकर अंदर घुसे। चोरी के प्रयास के दौरान उनकी मां शांति देवी, पिता उमेश चंद्र गुप्ता और बहन सीमा गुप्ता के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को शुक्रवार देर रात मानस तिराहा स्थित पार्क के पास से गिरफ्तार किया। दोनों किसी घटना को अंजाम देने के इरादे से बैठे हुए थे। इनकी पहचान रामपुर मथुरा सीतापुर निवासी उदय राज और विनोद वर्मा के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उनके दो साथी 23 जुलाई को उनसे मिलने आए थे। उन्होंने लखनऊ के बजरंग चौराहे के पास एक दुकान की रेकी करने की बात बताई थी। उन्हें पता चला था कि दुकान चलाने वाले वृद्ध दंपती के घर के आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। इसके बाद चारों ने खाली प्लॉट और निर्माणाधीन मकान के रास्ते घर में घुसने की साजिश रची।

चूड़ियाँ खनखन करती

(कुण्डलिया)

नदियाँ कल कल बह रहीं, पेड़ रहे हैं झूम।
सावन आया द्वार पर,कजरी की है धूम।
कजरी की है धूम,बरसता पानी रिमझिम।
आयी बादल–बारात, सूर्य बस चमके टिमटिम।
सुन लो कहें प्रदीप,यहाँ का यह मस्त समाँ।
सुखद सुहानी याद, बनेंगी हर इक नदियाँ।

सावन ने झकझोर कर, जगा दिया वह ख्वाब।
झूले पर हैं नारियाँ, नभ से गिरता आब।
नभ से गिरता आब,चूड़ियाँ खनखन करती।
पायल की आवाज़, सुरों में जादू भरती।
सुन लो कहें प्रदीप, सुहाने दिन ये पावन।
जिसमें हँसी–मजाक,साथ में हरिहर सावन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कजरी गीतों की सावनी फुहार से अनुरंजित हुआ करछना कजरी उत्सवः लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कजरी गीतों ने बांधा समां

करछना। अपने लोकगीतों की लोक संस्कृति को संजोए रखने के उद्देश्य से करछना में शनिवार को आयोजित द्वितीय कजरी उत्सव के दौरान मंच पर लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत विविध कजरी गीतों ने खूब समां बांधी। प्रधानाचार्य मदन मोहन शंखधर,शैली दुबे द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के उपरान्त शुरू हुए कार्यक्रम में राजन जी की कजरी–जब से परदेश गइलें सजनवा,अंगनवा में जी ना लगे,खूब सराही गई।

आकाशवाणी, दूरदर्शन की चर्चित लोकगायिका रंजना त्रिपाठी, अभिषेक सिंह और दल द्वारा प्रस्तुत कजरी – कइसे खेलइ जाबू सावन में कजरिया,बदरिया घिरि आई ननदी,जैसे गीतों ने श्रोता झूम उठे। शिल्पा कुशवाहा,मुक्ति पाण्डेय,सीमा त्रिपाठी और रागिनी श्रीवास्तव और आशीष शर्मा के बाद कार्यक्रम की संयोजिका मोहिनी श्रीवास्तव की मिर्जापुरी कजरी,झूला गीतों ने खूब समां बांधी।मदन मोहन मालवीय कालेज की छात्राओं ने भी,बनारसी कजरी प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कवि अशोक सिंह श्वेशरमश ने कजरी गीतों की बानगी से खूब तालियां बटोरी।वेद श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले सभी लोककलाकारों को मंच पर सम्मानित किया गया।इस मौके पर डॉ वाई.पी.सिंह, प्रधान अवतार किशन सिंह, डॉ के.के.त्रिपाठी,रिंकू सिंह प्रधानाचार्य मनीष तिवारी,कमलाशंकर त्रिपाठी, मालती शर्मा,सन्तोष शुक्ल समर्थ,राजू सिंह,डॉ.राजेन्द्र शुक्ल,डा.वीरेन्द्र कुसुमाकर,रत्नाकर सिंह तनहा,विनय सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गिरगिट की तरह रंग बदलती है सपा, अखिलेश के पीडीए दांव पर मायावती का तीखा हमला

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा अपनी संकीर्ण जातिवादी राजनीति और चुनावी स्वार्थ के लिए लगातार राजनीतिक रंग बदलती रही है। मायावती ने'एक्स पर जारी सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि बसपा सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की नीति एवं सिद्धांत पर अमल करने वाली सर्वसमाज हितैषी अंबेडकरवादी पार्टी है और उत्तर प्रदेश में 4 बार उसकी सरकार भी इसी आधार पर चली है। इसके विपरीत सपा अपनी संकीर्ण जातिवादी राजनीति और चुनावी स्वार्थ के लिए गिरगिट की तरह रंग बदलती रहती है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उन्होंने कहा कि इसी क्रम में सपा द्वारा प्रचारित कथित पीडीए अर्थात पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक में पहले पी से पिछड़े का प्रचार करने के बाद अब अपर कास्ट समाज, खासकर ब्राह्मण समाज को बसपा से तेजी से जुड़ता देखकर और उसी आधार पर पार्टी उम्मीदवार बनाए जाने से विचलित होकर सपा ने पी से पंडित कर दिया है।

इथेनॉल के खिलाफ सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में शनिवार दोपहर सपा कार्यकर्ताओं ने इथेनॉल के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता हजरतगंज चौराहे पर पहुंचकर ई–20 इथेनॉल का विरोध करने लगे। हाथों में इथेनॉल के खिलाफ पोस्टर–बैनर लेकर पहुंचे थे। कुछ प्रदर्शनकारी पोस्टर रूपी कुर्ता पहने थे जिसपर गन्ना बना हुआ था। प्रदर्शनकारियों को पुलिस पकड़–पकड़कर बस में बैठाने लगी। इस दौरान जितने हल्के कार्यकर्ता थे, उन्हें एक–एक पुलिसकर्मी ने गोद में उठा लिया और जाकर बस में बैठा दिया। वहीं, दूसरे कार्यकर्ताओं को हाथ–पैर पकड़कर टांग लिया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 26/37 दिनांक: 07.08.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस. ओ. 9001-2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38262624	आर्टिकुलेटेड लॉक लिफ्ट असेम्बली कंसिस्टिंग ऑफ फाईव आईटम्स	21228 नग	02.09.2026
2	38264219	के-टाईप कम्पोजिशन ब्रेक ब्लॉक	43268 नग	09.09.2026
3	38261941	बॉडी साईड अरेंजमेंट कम्प्लीट	96 नग	14.09.2026
4	20263022A	सब किट आई.ओ.एच.-1 फॉर टैप चेंजर एन-32	24 सेट	31.08.2026
5	20262101A	गियर केस असेंबली	637 नग	02.09.2026
6	80261031	इनहिबिटेड मिनरल इंसुलेटिंग ट्रांसफॉर्मर ऑयल, प्रकार-II	59352 लीटर	01.09.2026
7	80264101B	हाइड्रोलिक ऑयल (HYD OIL), एचएलपी.-68 N	175175 लीटर	31.08.2026

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा।
1825/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

कॉकरोच अब किस दिशा में बढ़ेंगे

जंतर–मंतर पर पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन खत्म हो चुका है और धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा भी हो गया है। इस बीच प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की ज्यादती को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई हैं, जिन पर सुनवाई चल रही है। इस तरह देखा जाए तो कॉकरोच जनता पार्टी ने मोदी सरकार के नुमाइंदों के साथ मिलकर जो समझौता किया था और महीने भर से ऊपर चला आंदोलन खत्म हुआ था, तो अब कॉकरोच जनता पार्टी किस दिशा में आगे बढ़ेगी। क्या वह किसी राजनैतिक दल में तब्दील होगी, या फिर शिक्षा व्यवस्था के जो अनसुलझे सवाल हैं, उन्हें उठाएगी, या उसकी भूमिका बस यहीं तक सीमित थी, ऐसे कई सवालों पर जवाब मिलने अब शुरु हो गए हैं। बुधवार और गुरुवार दो दिनों तक कॉकरोच जनता पार्टी की बैठक चली और अब अभिजीत दिपके ने गुरुवार को अपने अगले कदम के बारे में बताया है। दिपके के मुताबिक सीजेपी अब देश भर में एक नयी मुहिम छेड़ रही है, जिसका नाम होगा श्क्या बोलती पब्लिकश। इस मुहिम की घोषणा करते हुए दिपके ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को समझना और उनके लिए काम करना होगा। बकौल, दिपके इस अभियान का सबसे पहला ध्यान शिक्षा क्षेत्र पर होगा, धीरे–धीरे इसे अन्य मुद्दों पर भी केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर सबसे पहले ध्यान इसलिए दिया गया है क्योंकि स्कूल, कॉलेज और कोचिंग की बढ़ती फीस की वजह से कई परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध नहीं करवा पाते। उन्होंने कहा, देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार हमारा पहला मुद्दा होगा। इस पर हमें काम करना है। हमारा मानना है कि देश में शिक्षा महंगी हो गई है। पहली कक्षा के लिए सालाना फीस 1 लाख रुपए से लेकर 2 लाख रुपए के बीच है। इसके अलावा कई जगह डोनेशन भी चलता है। दिपके ने सवाल उठाया कि देश में लोगों की आय इतनी कम है। आखिर वह कैसे अपने बच्चों को इतनी फीस देकर पढ़ा पाएंगे? कॉलेज और कोचिंगों की महंगी फीस कई परिवारों को कर्ज के जाल में फंसा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कॉकरोच पार्टी छात्रों के और तमाम परिवारों के इस आर्थिक बोझ को कम करना चाहती है। अभिजीत दिपके ने भीम राव अंबेडकर का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षा पर सभी का अधिकार है। शिक्षा को सभी के लिए उपलब्ध होना चाहिए। लेकिन आज के समय में शिक्षा केवल एक मुनाफे का धंधा बन चुकी है। अभिजीत दिपके की ये बातें भारतीय राजनीति के लिए देजा वू पल समान लग रही हैं। फ्रेंच भाषा से लिए गए इस शब्द का अर्थ है पहले से देखा या महसूस किया हुआ। ज्यादा नहीं बस डेढ़ दशक पहले 26 नवंबर 2012 को आम आदमी पार्टी बनी थी। अरविंद केजरीवाल की बनाई यह पार्टी इंडिया अगेंस्ट करप्शन नाम के अभियान से ही निकली थी। आम आदमी पार्टी ने भी जनता पर पकड़ बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर ही जोर दिया। और इसमें कोई संदेह नहीं कि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो चाहे सरकारी स्कूल हों या मोहल्ला क्लिनिक की अवधारणा इनसे लाखों लोगों की जिंदगी में सहूलियत बढ़ी। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बहुत हद तक आप सरकार ने सुधार किया था। फरवरी 2020 में जब ट्रंप भारत के दौरे पर थे, तो अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने एक सरकारी स्कूल का दौरा भी किया था। आम आदमी पार्टी ने अपने गठन के वक्त यही दावा किया था कि वह राजनीति में बदलाव करेगी और मौजूदा चलन से हटकर काम करके दिखाएगी। लेकिन राजनैतिक मजबूरी कहें या महत्वाकांक्षा, आम आदमी पार्टी भी अब उसी रवैये पर चलती है जैसे बाकी राजनैतिक दल। भाजपा के विरोध में आम आदमी पार्टी ने इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनना मंजूर किया और उसी कांग्रेस से हाथ मिलाया, जिसकी मुखालफत वो करती रही है। लेकिन अब उसे इस गठबंधन में सहजता महसूस नहीं हुई तो वह अलग भी हो गई है। भविष्य में आम आदमी पार्टी क्या अकेले ही रहेगी या फिर किसी गठबंधन का हिस्सा बनेगी यह कहना कठिन है।

ठीक ऐसे ही अब कॉकरोच जनता पार्टी का हाल भी दिख रहा है। क्या बोलती पब्लिक में जिस पब्लिक पर जोर दिया जा रहा है, वह आम आदमी ही है। बेशक अभिजीत दिपके ने अभी कहा है कि वह राजनीतिक पार्टी नहीं बनेंगे। बल्कि स्थानीय स्तर पर सुधार करने के लिए एक प्रेशर ग्रुप यानी दबाव बनाने वाले समूह की तरह काम करेंगे। और जनता के बीच जाकर जानेंगे कि लोग देश के मौजूदा हालात के बारे में क्या सोचते हैं और उन्हें किन मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन बिना राजनैतिक आधार के क्या वे केवल प्रेशर ग्रुप बनाकर उस लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, जिसके लिए कॉकरोच जनता पार्टी बनी है। बेशक मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की टिप्पणी से आहत होकर उसके लिए दिए गए जवाबी तंज में कॉकरोच जनता पार्टी बनी है। लेकिन जंतर–मंतर पर पेपर लीक के विरोध में आंदोलन खड़ा करने में उसकी ही भूमिका रही है।

भारत में बढ़ती असमानता और सिकुड़ते अवसर

राजेश पांडेय

भारत को हमेशा चमकीली संभावनाओं का देश माना जाता है। पुराने दौर में उसके लिए सोने की चिड़िया विशेषण का इस्तेमाल होता था। उसमें दुनिया की बड़ी ताकत के बतौर उभरने की क्षमता रही है। लेकिन वर्तमान स्थिति खोए हुए अवसरों की अनंत कथा के रूप में तब्दील हो गई है। पिछले कुछ वर्षों से देश में आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ी है। राजनीतिक सत्ता के समान संपत्ति और साधन चंद लोगों के हाथों में सिमट गए हैं। नीतियों और प्राथमिकताओं में कुछ अमीरों को ज्यादा अहमियत मिल रही है। विश्व बैंक के आंकड़े और कई विशेषज्ञों के निष्कर्ष हालात की सही तस्वीर पेश करते हैं। जानकारी छिपाने और तोड़–मरोड़कर तथ्य पेश करने में माहिर सरकार भी कई बार सच बता देती है। भारत ने आजादी के बाद मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल अपनाया था। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार का झुकाव समाजवाद और पूर्व सोवियत संघ की व्यवस्था की तरफ था। सरकार ने कई उद्योगों की बुनियाद रखी और बड़े बांध बनाए। विशुद्ध पूंजीवाद के पैरोकार कई अर्थशास्त्री देश की अपेक्षाकृत धीमी विकास दर के लिए इस मॉडल को जिम्मेदार मानते हैं। खासतौर से 2014 के बाद तो देश की तमाम समस्याओं का ठीकरा नेहरू के कार्यकाल पर फोड़ने का सिलसिला चल पड़ा है। बहरहाल, पं. नेहरू के दौर में बने एक विराट सार्वजनिक क्षेत्र ने बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा किए। कुछ नए शहर अस्तित्व में आए, अर्थव्यवस्था को सहारा मिला और अवसरों में आम लोगों की हिस्सेदारी बढ़ी थी। एक बेहद पिछड़े देश ने विकास की दौड़ में बड़े देशों से होड़ करने का सपना देखा था। विकास के नेहरूवादी मॉडल में आगे जाकर कई सरकारों ने बदलाव किए हैं। लेकिन आर्थिक गैरबराबरी नए शिखर स्पर्श कर रही है। यहां हम आय, संपत्ति, उत्पादन के तुलनात्मक आंकड़ों से विकास की वास्तविक स्थिति का काफी हद तक मूल्यांकन कर सकते हैं। पेरिस इकानॉमिक्स स्कूल की विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के मुताबिक भारत में कुछ लोगों के हाथ में संपत्ति और आय के जमा होने का स्तर चरम पर पहुंच गया है। वह दुनिया के सबसे ज्यादा असमान देशों की श्रेणी में आता है। राष्ट्रीय आय के 58 प्रतिशत हिस्से पर टॉप दस प्रतिशत लोगों का कब्जा है। दूसरी ओर सबसे निचली सीढ़ी पर बैठे 50 प्रतिशत लोगों के हिस्से में सिर्फ 15 प्रतिशत आमदनी आई है। कुल राष्ट्रीय आय के 40 प्रतिशत के मालिक एक फीसदी लोग हैं। विश्व बैंक की जुलाई 2026 में जारी एक रिपोर्ट में भारत को निम्न मध्यम आय की अर्थव्यवस्था बताया गया है। यह दर्जा 2009 से चल रहा है। मतलब पिछले 15–16 वर्षों से स्थिति लगभग यथावत है। भारत के महाशक्ति बनने की संभावनाएं वर्षों से जताई जा रही हैं। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद तो विश्व गुरु, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था सहित कई दावे जोर–शोर से किए जा रहे हैं। लेकिन इन दावों पर संदेह बढ़ा है। इंडियन एक्सप्रेस में अभी हाल प्रकाशित सी राजामोहन के लेख में दो विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि भारत में बड़ी ताकत बनने की कई खूबियां हैं पर इतनी नहीं कि वह दुनिया की व्यवस्था को आकार दे सके। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के इतिहासकार ब्रेंडन सिम्स ने अपनी नई किताब– द रिटर्न ऑफ ग्रेट पावर्स में भारत को फ्रांस, जर्मनी और जापान के साथ महाशक्ति बनने की कगार पर खड़े देशों की सूची में रखा है। वे लिखते हैं यदि अगले दशक में भारत का कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ब्रिटेन, जापान और जर्मनी से अधिक हो जाता है तब भी वह अमेरिका और चीन से बहुत पीछे तीसरे स्थान पर रहेगा। फॉरेन अफेयर्स पत्रिका में एक लेख में टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के माइकेल बेकले की दलील है, विश्व राजनीति में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका तो बनी रहेगी लेकिन अपनी कई घरेलू कमजोरियों के कारण उसके वास्तविक महाशक्ति बनने की संभावना नहीं है। ये घरेलू कमजोरियों कौन सी हैं? 2014 के बाद धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ा है, सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई ने राजनीतिक दलों के साथ औद्योगिक, व्यावसायिक हलकों में डर पैदा किया है। उद्योगपति निवेश करने में हिचकिचा रहे हैं। केंद्र सरकार के मंत्री कभी चेतावनी तो कभी सवाल पूछने के अंदाज में कहते हैं, समझ में नहीं आता है उद्योगपति निवेश करने से पीछे क्यों हट रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में प्राइवेट सेक्टर का निवेश जीडीपी के 11 प्रतिशत पर आ गया है। वहीं मनमोहन सिंह के कार्यकाल में यह 14 प्रतिशत था। यह स्थिति उस वक्त है जब मोदी सरकार ने कॉरपोरेट टैक्स की दर 2019 में 30प्रतिशत से घटाकर 22प्रतिशत कर दी। अब उद्योगपति सरकार के फैसलों, उसकी नीतियों पर सवाल उठाने की बजाय उसकी तारीफ करने में लगे रहते हैं। हर बजट का जमकर स्वागत होता है। कुछ साल पहले तक उद्योगपति राहुल बजाज सरकार के खिलाफ खुलकर बोलते थे। फरवरी 2022 में उनके निधन के बाद उद्योग क्षेत्र से ऐसी कोई असरदार आवाज सामने नहीं आई है। कॉरपोरेट सेक्टर जोखिम भी नहीं उठा रहा है। उसका ध्यान किराए, ब्याज, शेयर बाजार के लाभांश और वायदा बाजार जैसी रेंटियर गतिविधियों पर ज्यादा है। 2012–13 से 2023–24 के आयकर रिटर्न के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है, व्यावसायिक गतिविधियों से कंपनियों की कुल कर योग्य आय 57.3प्रतिशत से गिरकर 54.3प्रतिशत पर आ पहुंची थी। न्यूयॉर्क के थिंक टैंक रोडियम ग्रुप और ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट का निष्कर्ष है, मैन्युफैक्चरिंग में भारत आगे नहीं बढ़ सका है। चीन की अर्थव्यवस्था में गिरावट और अमेरिका से व्यापार युद्ध ने दूसरे देशों के लिए आर्थिक फायदा उठाने के मौके बनाए हैं। लेकिन भारत के मुकाबले इस स्थिति को वियतनाम, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको जैसे देशों ने ज्यादा भुनाया है। पश्चिमी देशों की कई कंपनियों ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग चीन से हटाकर इन देशों में स्थानांतरित कर दी है।

निजी क्षेत्र के निवेश में गिरावट के बीच कुछ अमीरों की संपत्ति तेज रफ्तार से बढ़ रही है। दो उद्योगपतियों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच आगे निकलने की जबर्दस्त होड़ है। फोर्ब्स की सूची के अनुसार 2026 के मध्य में 8.84 लाख करोड़ रुपए की कुल संपत्ति के साथ अडानी भारत के सबसे अमीर शख्स थे। 2021 में उनकी संपत्ति 7.12 लाख करोड़ रुपए थी। उन्होंने पांच साल से कम समय में अपनी संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपए का इजाफा कर लिया है। अडानी ने भारतीय अमीरों के सिंहासन पर लंबे समय से आसीन मुकेश अंबानी को पीछे हटा दिया है। 2021 में अंबानी की संपत्ति लगभग 8.84 लाख करोड़ रुपए थी। यह 2026 में घटकर 8.65 लाख करोड़ रुपए पर आ गई। असमानता की एक और तस्वीर इन आंकड़ों में देखिए। बीते कुछ वर्षों में कुछ भारतीयों की आय और संपत्ति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। अभी हाल में वित्त मंत्रालय ने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि 100 करोड़ रुपए या उससे अधिक आय वाले लोगों की संख्या 2021–22 के 142 से बढ़कर 2025–26 में 576 हो गई थी। एक अरब 40 करोड़ की आबादी में यह संख्या मुट्ठी भर कही जाएगी। दूसरी और बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जिन्हें अच्छा जीवन बिताने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। लेबर फोर्स सर्वे के अनुसार 2025 में नियमित कर्मचारियों का औसत सालाना वेतन 2.7 लाख रुपए (22 हजार 699 रुपए मासिक) था। वहीं आकस्मिक कामगार का औसत दैनिक वेतन सिर्फ 453 रुपए रहा। पिछले माह जंतर–मंतर और कुछ राज्यों में युवाओं के आंदोलन का मुख्य कारण सिर्फ प्रश्नपत्रों का लीक होना नहीं है। उसने बढ़ती बेरोजगारी और सिकुड़ते अवसरों के खिलाफ अपनी चिंता, आक्रोश और असंतोष जताया है। हर साल गिनी–चुनी सरकारी नौकरियों में आवेदन करने वालों की संख्या लाखों में रहती है। अधिकतर युवाओं को उनकी योग्यता और क्षमता के हिसाब से रोजगार नहीं मिल रहे हैं। इसलिए वे मजबूरी में सामान की सप्लाई करने वाले रोजगार से काम चला रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में खाना और अन्य सामान की डिलीवरी करने वाली कंपनियों में रोजगार कई गुना बढ़ा है। शहरों में लोगों के दरवाजों पर गर्मागर्म खाना और सामान की डिलीवरी करने वाले लोगों में ज्यादातर युवा ही होते हैं। भारत की आबादी में युवाओं की संख्या 29 से 30 फीसदी के बीच होने का अनुमान है।

परीक्षा लीक से नहीं, पुरानी 'एकाधिकार व्यवस्था' से लड़ें

एम. मुनीर

भारत ने परीक्षा धोखाधड़ी के खिलाफ जंग छेड़ दी है। पेपर लीक के मामले में अब जेल की अधिक सख्त सजा होगी। संगठित नकल सिंडिकेटों को भारी जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। जांच प्रक्रिया तेज होगी। विशेष अदालतें त्वरित न्याय प्रदान करेंगी। संसद ने यह निष्कर्ष निकाला है कि यदि परीक्षाएं किसी क्राइम थ्रिलर जैसी लगने लगें, तो शायद आपराधिक कानून को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। लेकिन क्या हो, अगर पेपर लीक बीमारी ही न हो? क्या होगा अगर परीक्षा प्रणाली खुद ही एक बीमारी हो? हर साल, लाखों छात्र अपनी किशोरावस्था एक ऐसी परीक्षा की तैयारी में लगा देते हैं, जो सिर्फ कुछ घंटों तक चलती है लेकिन अगले 40 वर्षों के उनके करियर का मार्ग तय करती है। फिर जब प्रश्नपत्र लीक होता है, तो हम हैरान होने का नाटक करते हैं। अत्यधिक जोखिम वाली प्रणालियां अक्सर बड़े अपराधों को जन्म देती हैं। भारत का कोचिंग उद्योग करियर की चिंता और आशंकाओं पर फलता–फूलता है और यह हमारी प्रवेश प्रणाली के कारण अस्तित्व में है। इसका वार्षिक राजस्व 60,000 करोड़ रुपए अनुमानित है और इसके लगातार बढने की उम्मीद है। परिवार अनिवार्य रूप से एक 'लॉटरी' के लिए प्रति माह 50,000 रुपए से अधिक खर्च करते हैं और कुछ तो इसके लिए ऋण भी लेते हैं। आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (ए. आई.) अब भारत को 1947 के बाद से अपने सबसे मौलिक शैक्षिक सुधारों को लागू करने और देश के परीक्षा दर्शन में संशोधन करने का अवसर देती है। पहला विचार सरल है। इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाले पैनल को यह सिफारिश करके शुरुआत करनी चाहिए कि उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा में कई अवसर दिए जाएं। विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश चाहने वाले छात्रों को हर महीने सुरक्षित कम्प्यूटर–आधारित परीक्षाएं देने में सक्षम होना चाहिए और रैंकिंग के लिए उनका सर्वोत्तम स्कोर स्वतरू ही चुन लिया जाना चाहिए। ए.आई. संचालित निगरानी, एन्क्रिप्टेड प्रश्न बैंक और एडाप्टिव टैस्ट प्रोटोकॉल इसे संभव बनाते हैं। बहु–अवसर प्रणाली पेपर लीक के प्रोत्साहन को कम करती है क्योंकि कोई भी एक परीक्षा जीवन का अंतिम और एकमात्र फैसला नहीं होती। दूसरा, एक समान प्रश्नपत्रों को समाप्त करें। प्रत्येक उम्मीदवार को एक सत्यापित और हैक–प्रूफ प्रश्न बैंक से ए.आई. द्वारा यादृच्छिक (रैंडमाइज्ड) रूप से तैयार किए गए अद्वितीय प्रश्न मिलने चाहिएं, जो समान कठिनाई स्तरों के लिए कैलिब्रेट किए गए हों।

लघुकथा

भाव और भावना

समीधा बंद कमरे में खिड़की के पर्दे के पीछे खड़ी होकर बाहर से आती शोरगुल और हँसी-ठिठोली की आवाज़ें सुन रही थी। वह बाहर जाने के लिए बेचैन थी। तभी अचानक कुंडी खुली और पाँच साल का शैतान राहुल दौड़ता हुआ कमरे में आ गया।

समीधा हँसती हुई बाहर की ओर ऐसे दौड़ी, जैसे कोई कैदखाने से छूटा हो। उसने पूजा की थाली खींची और उसमें रखी राखी उठाकर राहुल की ओर दौड़ पड़ी।

अचानक घर का माहौल बदल गया। सभी लोग आश्चर्य से समीधा को देखने लगे। चारों ओर धीमी फुसफुसाहट सुनाई देने लगी—

"ऐसी मानसिक स्थिति में वह क्या समझेगी..."

लेकिन समीधा की माँ अनुजा के चेहरे पर आज कुछ अलग ही भाव थे। बेटी को पहली बार पूजा की थाली से राखी उठाकर राहुल की ओर जाते देख उसके मन में एक उम्मीद जागी।

अनुजा ने मन ही मन सोचा—
"शायद मेरी बेटी इस रिश्ते और इस पर्व की भावना को समझने लगी है..."

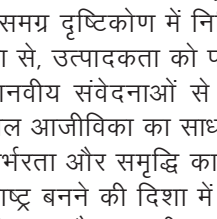

रचना सक्सेना
प्रयागराज

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथनः भारत की हरित क्रांति के जनक

प्रदीप पाटिल

भारत रत्न डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में याद किया जाता है। कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनके दूरदर्शी एवं क्रांतिकारी योगदान ने भारत को खाद्यान्न संकट से उबारकर विश्व के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देशों में शामिल कर दिया। वैज्ञानिक कार्यपद्धति, अभिनव प्रयोग, प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप तथा किसानों के साथ जमीनी स्तर पर जुड़ाव के माध्यम से उन्होंने भारतीय कृषि की दिशा और दशा दोनों बदल दी। 7 अगस्त 1925 को तमिलनाडु में जन्मे डॉ. स्वामीनाथन ने अपना सम्पूर्ण जीवन खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा टिकाऊ (सस्टेनेबल) कृषि को बढ़ावा देने के लिए समर्पित किया। 1960 के दशक में जब भारत बार–बार अकाल, खाद्यान्न संकट और आयात पर निर्भरता जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा था, तब डॉ. स्वामीनाथन ने अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नेतृत्व से देश की कृषि व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। डॉ. स्वामीनाथन का सबसे महत्वपूर्ण योगदान भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप उच्च उपज देने वाली गेहूं एवं धान की किस्मों का विकास और प्रसार था। उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेता नॉर्मन बोरलॉग सहित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के साथ मिलकर मेक्सिको की कम ऊंचाई वाले गेहूं की किस्मों को भारत में लाने और उन्हें भारतीय किस्मों के साथ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन नई किस्मों ने भारत की जलवायु एवं कृषि परिस्थितियों में बेहतरीन परिणाम दिए। इस हरित क्रांति की शुरुआत पंजाब और हरियाणा से हुई और शीघ्र ही पूरे देश में फैल गई। डॉ. स्वामीनाथन ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) को एक सशक्त एवं गतिशील संस्था के रूप में विकसित किया, जिसने कालांतर में वैज्ञानिकों, किसानों और नीति–निर्माताओं के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में कृषि अनुसंधान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित न रहकर किसानों की वास्तविक समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो गया। डॉ. स्वामीनाथन अपने समय से बहुत आगे की सोच रखने वाले वैज्ञानिक थे। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग तथा भूजल के अंधाधुंध दोहन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति समय रहते चेताया। उन्होंने श्सदाबहार क्रांतिश (एवरग्रीन रिवोल्यूशन) की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए कृषि उत्पादन में वृद्धि करना था। डॉ. स्वामीनाथन ने जैविक खेती, जल संरक्षण तथा फसल विविधीकरण को विशेष महत्व दिया। डॉ. स्वामीनाथन ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि आधुनिक विज्ञान का लाभ छोटे एवं सीमांत किसानों तक भी पहुंचे। उन्होंने किसानों के बीजों को सुरक्षित रखने, उपयोग करने और साझा करने के अधिकारों का पुरजोर समर्थन किया। उनके प्रयासों से पौधा–किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 अस्तित्व में आया, जिसे अभिनव प्रयोग और परंपरा के संतुलन का वैश्विक उदाहरण माना जाता है। राष्ट्रीय किसान आयोग के अध्यक्ष के रूप में वर्ष 2006 में प्रस्तुत उनकी रिपोर्ट में अनुशंसा की गई कि फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) उत्पादन लागत से कम–से–कम 50 प्रतिशत अधिक होना चाहिए। किसानों को उचित मूल्य, ग्रामीण आधारभूत संरचना तथा संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने का उनका दृष्टिकोण आज भी भारत की कृषि नीति का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।

भावी दिशा– आज भारत जलवायु परिवर्तन, बाजार की अनिश्चितता तथा जल संकट जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में डॉ. स्वामीनाथन की सोच हमें आगे बढ़ने का स्पष्ट मार्ग दिखाती है। इसके लिए आईसीएआर जैसी संस्थाओं का आधुनिकीकरण तथा कृषि विस्तार सेवाओं को गांव–गांव तक पहुंचाया जाना जरूरी है ताकि प्रत्येक किसान नवीनतम अनुसंधान, तकनीक एवं कृषि सलाह से जुड़ सके। इसी प्रकार मोबाइल ऐप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा डिजिटल कियोस्क जैसी आधुनिक और नवोन्मेषपूर्ण तकनीकों का व्यापक उपयोग लाभप्रद होगा। जैविक खेती, सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर), मृदा परीक्षण तथा जल संरक्षण को प्रोत्साहित करना तथा एवरग्रीन रिवोल्यूशन की अवधारणा को व्यवहार में उतारने के लिए किसानों को जलवायु–अनुकूल कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाना भी जरूरी है। सभी राज्यों एवं प्रमुख फसलों में न्यूनतम समर्थन मूल्य का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। छोटे, सीमांत, बटाईदार, महिला एवं जनजातीय किसानों के लिए संस्थागत ऋण, फसल बीमा तथा बेहतर बाजार सुविधाओं तक पहुंच आसान बनाई जाए।

उनकी अन्य सिफारिशों जैसे ग्रामीण आधारभूत संरचना में निवेश तथा वर्षा आधारित कृषि के विकास हेतु राष्ट्रीय वर्षा आधारित क्षेत्र प्राधिकरण को लागू करना भी भारत की कृषि व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान कर सकता है। डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन का बड़प्पन उनके समग्र दृष्टिकोण में निहित है। उन्होंने आनुवंशिकी को नैतिकता से, उत्पादकता को पर्यावरण संरक्षण से तथा विज्ञान को मानवीय संवेदनाओं से जोड़ा। उनका विश्वास था कि कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की गरिमा, आत्मनिर्भरता और समृद्धि का आधार है। आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब डॉ. स्वामीनाथन के विचार और उनकी दूरदर्शिता पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं।

हिट फिल्म के बाद भी 15 महीने बेरोजगार रहीं कृति

स्टारकिड्स ने छीने बड़े रोल, जिस किरदार पर सवाल उठे, उसी ने दिलाया नेशनल अवॉर्ड

पहले रैंप शो के बाद मैं ऑटो में बैठकर पूरे रास्ते रोती रही थी... पहले फोटोशूट के बाद भी घर जाकर रोई थी। हिट फिल्म के बाद भी 15 महीने काम नहीं मिला। कई बार ऐसा हुआ कि जिस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया, आखिर में वह किसी स्टार किड को मिल गई। कई–कई महीने तक कोई ऑडिशन नहीं आता था। मैं मां को दिन में दस–दस बार फोन करके रोती थी। आज कृति सेनन बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उनके नाम नेशनल अवॉर्ड, कई सुपरहिट फिल्में और अपना प्रोडक्शन हाउस है। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का रास्ता रिजेक्शन, अकेलेपन, तानों और आत्मविश्वास की लड़ाई से होकर गुजरा है। यह कहानी उस लड़की की है, जिसने कभी एक्टिंग का सपना नहीं देखा था, लेकिन रास्ता चुना तो पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज की सक्सेस स्टोरी में कृति सेनन के करियर और निजी जीवन से जुड़ी कुछ खास बातें। दिल्ली की इंजीनियरिंग स्टूडेंट, जिसने सपनों के दम पर बॉलीवुड तक का सफर तय किया कृति सेनन का जन्म 27 जुलाई 1990 को नई दिल्ली में हुआ। उनके पिता राहुल सेनन चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, जबकि मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर रह चुकी हैं। उनकी छोटी बहन नूपुर सेनन भी अभिनय और सिंगिंग की दुनिया में सक्रिय हैं। कृति ने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), आर.के. पुरम से की। इसके बाद जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री हासिल की। श्मैं पढ़ाई में अच्छी थी, फिल्मों में आने का कभी नहीं सोचाश कृति सेनन ने बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में बताया था कि बचपन में उनका पूरा ध्यान पढ़ाई पर रहता था। वह पढ़ाई में अच्छी थीं, लेकिन बेहद शर्मीली भी थीं। वह कहती हैं,ष्मुझे स्टेज पर जाने से भी डर लगता था। डांस करना पसंद था, लेकिन एक्टिंग, थिएटर या ड्रामा में मैंने कभी हिस्सा नहीं लिया। फिल्मों में आने का तो मैंने कभी सोचा ही नहीं था।ष स्कूल के बाद इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू हुई। जिंदगी तय रास्ते पर चल रही थी। किसी को अंदाजा नहीं था कि यही लड़की आगे चलकर बॉलीवुड की बड़ी स्टार बनेगी। बी.टेक के दौरान एक सलाह ने बदल दी जिंदगी इंजीनियरिंग के दौरान एक दिन किसी ने कृति से कहा, ष्तुम्हारी हाइट अच्छी है, मॉडलिंग क्यों नहीं ट्राय करती?ष पहली प्रतिक्रिया थी– ष्नहीं... ये मेरे बस की बात नहीं।ष लेकिन फिर उन्होंने सोचा कि कोशिश करने में नुकसान नहीं है। अगर कुछ नहीं हुआ, तो कम से कम कॉन्फिडेंस बढ़ जाएगा। यही फैसला उनकी जिंदगी का बड़ा टर्निंग पॉइंट बन गया। कृति के पास प्रोफेशनल पोर्टफोलियो नहीं था। उनकी छोटी बहन नूपुर ने घर पर ही कुछ तस्वीरें खींचीं। आज उन तस्वीरों को देखकर कृति खुद हंस पड़ती हैं। वह कहती हैं, ष्आज भी जब वो तस्वीरें देखती हूं तो हंसी आती है कि कितनी अजीब थीं।ष उन्होंने वही तस्वीरें एक वेबसाइट पर चल रहे फ्रेश फेस कॉन्टेस्ट में भेज दीं। इनाम था– मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी से मुफ्त पोर्टफोलियो शूट। कृति को सिर्फ इतना पता था कि डब्बू रत्नानी से फोटोशूट महंगा होता है। फैशन और मॉडलिंग की दुनिया के बारे में उन्हें कुछ भी नहीं मालूम था। किस्मत ने साथ दिया...वह कॉन्टेस्ट जीत गईं। यहीं से मॉडलिंग का पहला कॉन्ट्रैक्ट मिला और फिल्मों तक जाने वाली राह खुली। किसी नए इंसान के लिए कैमरे के सामने खड़ा होना आसान नहीं होता। कृति के लिए भी नहीं था। उन्हें नहीं पता था कि कैमरे की तरफ कैसे देखना है, हाथ कहां रखने हैं और एक्सप्रेशन कैसे देने हैं। शूट के दौरान फोटोग्राफर ने मुस्कुराते हुए सिर्फ इतना कहा,ष्ये तुम्हारा पहला फोटोशूट है ना?ष बात सामान्य थी, लेकिन कृति को लगा कि शायद वह खराब काम कर रही हैं। शूट खत्म हुआ३ वह सीधे घर पहुंचीं और रो पड़ीं। आज भी कृति मानती हैं कि अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने 100 प्रतिशत नहीं दिया, तो यह बात उन्हें लंबे समय तक परेशान करती है। पहले रैंप शो में सबके सामने डांट पड़ी... ऑटो में बैठकर रोती रहीं अगर फोटोशूट मुश्किल था, तो पहला रैंप शो उससे भी कठिन साबित हुआ। नर्वसनेस के कारण रैंप पर कोरियोग्राफी में गलती हो गई। शो खत्म हुआ तो कोरियोग्राफर ने करीब 50 मॉडल्स के सामने उन्हें डांट दिया। कृति कुछ नहीं बोलीं। चुपचाप बाहर निकलीं...एक ऑटो में बैठीं...और पूरे रास्ते रोती रहीं। घर पहुंचकर भी काफी देर तक उनके आंसू नहीं रुके। मां ने उन्हें समझाते हुए कहा, ष्मुझे नहीं लगता कि यह दुनिया तुम्हारे लिए बनी है। यहां टिकना है तो बहुत मजबूत बनना पड़ेगा। लोगों की बातें सुनकर टूटोगी तो आगे नहीं बढ़ पाओगी।ष शायद यही वह दिन था, जब कृति ने तय किया कि अब रोना बंद... सीखना शुरू। हार मानना कभी नहीं सीखा कृति मानती हैं कि उनके अंदर यह आदत हमेशा से रही है। अगर वह गिरती हैं, तो दोबारा उठकर कोशिश करती हैं। वह कहती हैं, ष्मैं आसानी से हार नहीं मानती। शायद यही वजह है कि हर बार गिरने के बाद मैंने खुद को एक और मौका दिया। धीरे–धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया।ष यही जिद आगे चलकर उन्हें मॉडल से अभिनेत्री और फिर नेशनल अवॉर्ड विजेता कलाकार बनाने वाली थी। मुंबई में अकेली रहने लगीं, ळड।ज की तैयारी भी करती थीं... परिवार ने कहा– पहले सपना पूरा करो पहले रैंप शो की डांट और शुरुआती असफलताओं के बाद कृति सेनन ने हार नहीं मानी। मॉडलिंग आगे बढ़ रही थी, लेकिन फिल्मों का रास्ता अभी भी धुंधला था। इसी बीच उन्होंने मुंबई आने का फैसला किया। यह आसान नहीं था, क्योंकि वह कभी घर से दूर नहीं रही थीं। श्मैं कभी हॉस्टल में नहीं रही थीश कृति बताती हैं, ष्मैं हमेशा अपने परिवार के साथ रही थी। घर में हर सुविधा थी। कॉलेज तक कार चलाना सीख लिया था, लेकिन कभी अकेले रहने की नौबत नहीं आई थी।ष मुंबई आने के शुरुआती पांच–छह महीने आसान रहे, क्योंकि उस समय उनके पिता की पोस्टिंग भी मुंबई में थी। लेकिन उसके बाद... पापा वापस चले गए और पहली बार कृति पूरी तरह अकेली रह गईं। किराए का घर... कामवाली... खाना... सारी जिम्मेदारी खुद संभाली जिंदगी बदल चुकी थी। किराए का घर लेना, खर्च संभालना, खाना बनवाना, कामवाली का इंतजाम करना... हर छोटी–बड़ी जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। इसके साथ ही वह फिल्मों के लिए ऑडिशन दे रही थीं। इसी दौरान वह ळड।ज की तैयारी भी कर रही थीं। घरवालों ने उनके लिए प्लान–बी भी तैयार रखा था। अगर एक्टिंग में बात नहीं बनी, तो आगे की पढ़ाई करके दूसरा करियर बनाया जा सकता था। लेकिन कृति के मन में अब सिर्फ एक सपना था। फिल्म इंडस्ट्री के बारे में कुछ नहीं जानती थीं मुंबई पहुंचकर उन्हें सबसे ज्यादा अनजान दुनिया ने परेशान किया। कृति कहती हैं, ष्मुझे समझ ही नहीं आता था कि शुरुआत कहां से करूं। किससे मिलूं, किस प्रोडक्शन हाउस में जाऊं, कौन–सी फिल्म करनी चाहिए और कौन–सी नहीं। मुझे कुछ भी नहीं पता था।ष वह किसी फिल्मी परिवार से नहीं थीं। उनके लिए बॉलीवुड सिर्फ पर्दे की चमक थी। पर्दे के पीछे की दुनिया बिल्कुल नई थी। श्मैं सिर्फ शाहरुख, माधुरी और ऋतिक की फैन थीश कृति बताती हैं कि उन्हें फिल्मों से प्यार था। वह माधुरी दीक्षित, शाहरुख खान और ऋतिक रोशन की बड़ी फैन थीं। लेकिन वह मानती हैं कि फैन होना और इंडस्ट्री को समझना अलग बातें हैं। उन्हें यह भी नहीं पता था कि करियर कैसे बनाया जाता है, किससे मिलना चाहिए और कौन सही सलाह देगा। एजेंसी बनी सबसे बड़ी ताकत कृति मानती हैं कि शुरुआती दिनों में उनकी मॉडलिंग एजेंसी ने उनका काफी साथ दिया। उन्हें समझाया गया कि कब ऑडिशन देना चाहिए, कब किसी रोल के लिए इंतजार करना चाहिए और कब किसी फिल्म को छोड़ना चाहिए। नए कलाकार के लिए सही सलाह बड़ी ताकत होती है। कृति को यह सहारा मिल गया था। मां ने कहा– श्सपनों को मत रोकनाश कृति की सफलता के पीछे उनके माता–पिता का भरोसा सबसे बड़ी ताकत रहा। वह बताती हैं कि उनकी मां अपनी जिंदगी में बहुत कुछ करना चाहती थीं। गाना सीखना... तैरना सीखना... और भी कई सपने... लेकिन उन्हें उतनी आजादी नहीं मिली। शायद यही वजह थी कि उन्होंने अपनी बेटी से हमेशा कहा,ष्जो करना चाहती हो, अभी कर लो। सपनों को कभी मत रोकना। वरना बाद में सिर्फ पछतावा रह जाएगा।ष यही बात कृति के दिल में बस गई। पापा का भरोसा नहीं होता, तो शायद यह फैसला कभी नहीं ले पाती कृति मानती हैं कि परिवार का साथ नहीं होता तो वह शायद कभी फिल्मों में आने की हिम्मत नहीं जुटा पातीं। वह कहती हैं, ष्अगर उस समय पापा का भरोसा मेरे साथ नहीं होता, तो शायद मैं इतना बड़ा फैसला कभी नहीं ले पाती।ष हर स्ट्रगल करने वाले कलाकार को ऐसा परिवार नहीं मिलता। कृति मानती हैं कि यह उनकी सबसे बड़ी ताकत थी।

क्या सच में प्रीति जिंटा के प्यार में पागल थे ब्रेट ली? 15 सालों बाद अब विदेशी क्रिकेटर ने तोड़ी चुप्पी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। क्रिकेट के अलावा उन्होंने बॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाने की कोशिश की थी, हालांकि अभिनय के क्षेत्र में उन्हें खास सफलता नहीं मिली। इसी दौरान उनका नाम अभिनेत्री प्रीति जिंटा के साथ जोड़ा जाने लगा और दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरफ की अटकलें सामने आईं। अब करीब 16–17 साल बाद ब्रेट ली ने इन अफवाहों पर पहली बार खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि उनके और प्रीति जिंटा के बीच कभी भी प्रेम संबंध नहीं था। ब्रेट ली के मुताबिक, दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हैं और वह प्रीति की हमेशा से बहुत इज्जत करते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान जब ब्रेट ली से 2000 के दशक में उनके और प्रीति जिंटा के रिश्ते को लेकर उड़ने वाली अफवाहों पर सवाल किया गया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि सबसे बड़ी खबर यही है कि उन्होंने कभी किसी बॉलीवुड अभिनेत्री को डेट नहीं किया। ब्रेट ली ने साफ किया था कि उनके और प्रीति के बीच हमेशा सिर्फ अच्छी दोस्ती रही है जो आज भी बरकरार है। उन्होंने बताया की उस समय प्रीति पंजाब किंग्स की सह–मालकिन थीं और वे उन्हें एक बेहद बुद्धिमान और सम्मानित महिला मानते हैं। ब्रेट ली ने यह भी कहा की ऐसी अफवाहों ने उन्हें कभी प्रभावित नहीं किया क्योंकि उन्हें हमेशा सच्चाई पता थी। उनके मुताबिक, लोग अपनी ओर से अनुमान लगाते रहते हैं लेकिन उन्होंने कभी इन बातों को गंभीरता से नहीं लिया। आपको बता डे की प्रीति जिंटा और ब्रेट ली के रिश्ते को लेकर साल 2008 से 2011 के बीच कई तरह की चर्चाएं होती रहीं। उस दौरान ब्रेट ली आई.पी.एल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेल रहे थे। दोनों को एक बार मुंबई के एक रेस्टोरेंट में साथ देखा गया, जिसके बाद उनके अफेयर की खबरों ने काफी जोर पकड़ लिया। हालांकि, साल 2010 में प्रीति ने इन सभी अटकलों और विराम लगाते हुए साफ कहा था कि उनका और ब्रेट ली का रिश्ता केवल दोस्ती तक ही सीमित है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए यह भी लिखा था कि हर साल उनके नाम को ब्रेट ली के साथ जोड़ना पूरी तरह निराधार और पुरानी बात है। आपको बता दें की दोनों अब अपनी–अपनी शादी में खुश हैं। ब्रेट ली की लाइफ की बात की जाए तो उन्होंने 2006 में एलिजाबेथ केम्प से शादी कर ली थी और उनका एक बेटा है लेकिन उनकी शादी ज्यादा देर टिकी नहीं और 2009 में तलाक ले लिया। इसके बाद 2014 में उन्होंने दूसरी शादी कर ली। प्रीति की बात करें तो उन्होंने 2016 में लॉस एंजिल्स में जीन गुडइनफ से शादी की थी। इसके बाद 2021 में सरोगेसी के माध्यम से वो जुड़वां बच्चों की मां बनीं।

कांटा लगा एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के पालतू कुत्ते सिंबा का आज निधन हो गया है। शेफाली, सिंबा को अपना बच्चा मानती थीं। फैंस से ये दुखद खबर शेयर करते हुए शेफाई के पति एक्टर पराग त्यागी ने भावुक पोस्ट शेयर की है। पराग त्यागी ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से शेफाली जरीवाला और सिंबा का एक वीडियो शेयर कर लिखा है, 'अब मम्मा अकेली नहीं हैं। सिंबा मम्मा के साथ बहुत खुश है। तुम दोनों से मिलने का इंतजार नहीं कर सकता, मेरी लाइफ लाइन। दूसरी तरफ।' सिंबा को बेटा मानती थीं शेफाली जरीवाला शेफाली पालतू डॉग सिंबा को बेटा मानती थीं। उनकी मौत के बाद पति पराग त्यागी ने सिंबा के कई वीडियोज शेयर कर दावा किया कि शेफाली के जाने के बाद से ही वो बेहद उदास है। रक्षाबंधन पर शेफाली सिंबा को राखी भी बांधती थीं। उनकी मौत के बाद पराग ने सिंबा को राखी बांधी थी। 27 जून 2025 में अचानक हुआ निधन बताते चलें कि शेफाली जरीवाला का निधन 27 जून 2025 को अचानक हुआ है। उस रोज उनके घर में पूजा रखी गई थी।

काजल अग्रवाल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म श्रामायणश को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म में वो मंदोदरी का किरदार निभाती नजर आएंगी. इसी बीच एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने अपने 4 साल के बेटे को लेकर दिलचस्प खुलासा किया. काजल ने बताया कि उनका बेटा जिसका नाम नील किचलू है, पूरी रामायण जानता है और खेल–खेल में कभी उन्हें शूर्पणखा भी बना देता है. काजल अग्रवाल का बेटा जानता है पूरी रामायण हाल ही में शुभांकर मिश्रा को दिए इंटरव्यू में काजल अग्रवाल ने अपने 4 साल के बेटे नील किचलू को लेकर बात की. उन्होंने कहा, श्मेरा बेटा पूरी रामायण जानता है. हनुमान चालीसा बोलता है. उसकी वजह से मैं सीख रही हूं. उसकी नानी ने उसे ये सिखाया है.श एक्ट्रेस ने आगे कहा, श्वो पूरी रामायण की एक्टिंग करता है. एक दिन हनुमान बनता है, एक दिन राम एक दिन कृष्णा. मेरे घर में राम लीला होती रहती है. वो मुझसे भी कहता है कि मम्मा आज आप शूर्पणखा हो. आज आप रावण हो. मुझे शूर्पणखा बना देता है, मंदोदरी बनीं काजल अग्रवाल बोलीं– मेरा 4 साल का बेटा पूरी रामायण जानता है इसी इंटरव्यू में काजल अग्रवाल ने फिल्म रामायण में अपने किरदार को लेकर भी बात की.उन्होंने बताया कि वो इन दिनों मंदोदरी के किरदार के लिए किताबें पढ़ रही हैं. उन्होंने कहा, श्मैं रामायण में मंदोदरी का किरदार निभा रही हूं, इसलिए उनके बारे में किताबें पढ़ रही हूं. मेरे लिए ये किरदार बेहद दिलचस्प है। रामायण के बारे में फिल्म रामायण की बात करें तो इसमें कई बड़े सितारे एक साथ नजर आएंगे. फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल भगवान हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभाते दिखाई देंगे. वहीं, काजल अग्रवाल फिल्म में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं. फिल्म का ट्रेलर 24 जुलाई को रिलीज होगा. फिल्म दो पार्ट में बन रही है।

मिलावट की चिंता छोड़िए! घर पर बनाकर रखें कच्ची सोया चाप, ईजी स्टेप्स

❍ अगर बाजार की सोया चाप पर भरोसा नहीं है, तो इसे घर पर बनाकर रख सकते हैं। एक बार कच्ची सोया चाप तैयार हो जाए, तो जब मन करे उसे मसालेदार तरी में डालकर स्वादिष्ट सब्जी बना सकते हैं।

सोया चाप का स्वाद बहुत से लोगों को पसंद आता है, लेकिन बाजार से मिलने वाली चाप को लेकर अक्सर मिलावट और सफाई की चिंता रहती है। ऐसे में अगर आप भी घर का बना और साफ–सुथरा खाना पसंद करते हैं, तो कच्ची सोया चाप घर पर बनाना एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इसे एक बार बनाकर फ्रिज में रख लें। फिर जब भी मन करे, मसालेदार तरी बनाकर उसमें सोया चाप डालें और कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट सब्जी तैयार कर लें। इसे बनाना जितना मुश्किल लगता है, उतना है नहीं। बस थोड़ा समय और सही तरीका अपनाकर आप घर में ही बाजार जैसी सोया चाप तैयार कर सकते हैं।

सोया चाप बनाने के लिए क्या चाहिए?

एक कप सोयाबीन की बड़ी

आधा कप मैदा

आधा कप गेहूं का आटा

नमक स्वादानुसार

पानी

लकड़ी की सींक

घर पर कच्ची सोया चाप कैसे बनाएं?

सोयाबीन की बड़ी भिगो देंरू सबसे पहले सोयाबीन की बड़ी को छह से आठ घंटे या पूरी रात पानी में भिगो दें। इसके बाद अच्छी तरह धोकर एक्सट्रा पानी निकाल दें।

पीसकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करेंरू भीगी हुई बड़ी को बिना ज्यादा पानी डाले पीस लें। अब इसमें मैदा, गेहूं का आटा और थोड़ा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण इतना गाढ़ा होना चाहिए कि वह सींक पर आसानी से चिपक जाए।

सींक पर चढ़ाएंरू अब हाथों पर थोड़ा तेल लगाएं और तैयार मिश्रण को लकड़ी की सींक पर बराबर फैलाते हुए लपेट दें। कोशिश करें कि हर तरफ इसकी मोटाई एक जैसी रहे।

उबाल लेंरू एक बड़े बर्तन में पानी उबालें। जब पानी उबलने लगे, तब तैयार सोया चाप को उसमें डाल दें। करीब पंद्रह से बीस मिनट तक पकाएं। जब चाप ऊपर तैरने लगे, तो समझिए कि वह पक चुकी है।

ठंडा करके रख लेंरू अब चाप को पानी से निकालकर ठंडा होने दें। इसके बाद इसे डिब्बे में भरकर फ्रिज में रख सकते हैं। जरूरत पड़ने पर इसे निकालकर अपनी पसंद की सब्जी बना लें।

सोया चाप की सब्जी कैसे बनाएं?

प्याज, टमाटर, अदरक, लहसुन और अपने पसंदीदा मसालों से तरी तैयार करें। अब इसमें कटे हुए सोया चाप के टुकड़े डालकर पांच से सात मिनट तक पकाएं। ऊपर से हरा धनिया डालें और गरमागरम रोटी, पराठे या चावल के साथ परोसें।

घर की बनी सोया चाप क्यों है बेहतर?

सफाई की चिंता नहीं रहतीरू घर में बनने की वजह से आप हर चीज की क्वालिटी और सफाई का ध्यान रख सकते हैं।

मिलावट का डर नहींरू बाजार की तुलना में घर की बनी सोया चाप में मिलावट की चिंता नहीं रहती।

जब चाहें, तब बनाएं सब्जीरू एक बार बनाकर रखने के बाद बार–बार मेहनत नहीं करनी पड़ती। जरूरत के समय निकालें और तुरंत सब्जी तैयार करें।

प्रोटीन का अच्छा स्रोतरू सोयाबीन को प्रोटीन का अच्छा स्रोत माना जाता है। इसलिए इसे संतुलित मात्रा में खाने से शरीर को पोषण मिल सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

सोयाबीन को अच्छी तरह भिगोना जरूरी है।

मिश्रण ज्यादा पतला ना रखें।

उबालने के बाद पूरी तरह ठंडा होने दें।

साफ और बंद डिब्बे में फ्रिज में रखें।

हरी सब्जी खत्म हो गई तो बेसन से बनाए सूखी भुजिया, पराठे के साथ लगेगी टेस्टी

❍ बारिश के दिनों में घर में हरी सब्जी खत्म हो गई तो टेंशन ना लें। बेसन से बनाएं ऐसी टेस्टी सूखी भुजिया जो टिफिन में ले जाने में भी अच्छी लगेगी और घर में भी सारे चाव से खाएंगे। पराठे के साथ इस सब्जी का स्वाद दोगुना हो जाता है।

बारिश का सीजन चल रहा और मार्केट में हरी सब्जी वहीं गिनी–चुनी मिल रहीं। घरवाले तोरी, लौकी, कद्दू, भिंडी खाकर बोर हो चुके और फ्रिज में किसी तरह की हरी सब्जी नहीं है तो टेंशन ना लें। बेसन की मदद से बनाएं चटपटी, चटकारेदार भुर्जी, कि सब और खाने की डिमांड करेंगे और मजबूरन आपको हर दूसरे दिन इसे बनाना पड़ जाएगा। बेसन की ये सूखी भुजिया पराठे के साथ और भी ज्यादा टेस्टी लगती है तो आप इसे बच्चों और बड़ों सबके टिफिन में दे सकती हैं। तो बस फटाफट से नोट कर लें बेसन भुजिया की रेसिपी।

बेसन की भुजिया बनाने की सामग्री

एक कप बेसन, एक चम्मच जीरा, एक चम्मच अजवाइन, लाल मिर्च पाउडर स्वादानुसार, नमक स्वादानुसार, हल्दी पाउडर आधा छोटा चम्मच, दो बारीक कटा प्याज, आठ के दस कली लहसुन, दो टमाटर बारीक कटी हुई, काली मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर,गरम मसाला, फ्रेश कटी हरी धनिया।

बेसन की भुजिया बनाने की रेसिपी

सबसे पहले बेसन का घोल बनाकर तैयार कर लें। घोल के लिए किसी बाउल में एक कप या परिवार के सदस्यों की मात्रा के अनुसार दो कप बेसन भी ले सकती हैं।

अब इसमे बेसिक मसाले जैसे चुटकीभर हींग, अजवाइन एक चम्मच, थोड़ा सा जीरा डालें।

साथ ही हल्दी पाउडर और स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर डाल दें। नमक मिलाएं और एक घोल बनाकर तैयार कर लें। जो ना ज्यादा पतला हो और ना ज्यादा गाढ़ा, कम समय में पक जाए।

अब पैन में एक चम्मच तेल डालें और बारीक कटा आधा प्याज, लहसुन और हरी मिर्च डालकर हल्का भून लें। साथ में एक छोटा टमाटर काटकर भी डाल दें।

साथ में तैयार बेसन का घोल डालें और ढंककर इसे पका लें।

ये घोल पककर चीले जैसा बन जाएगा। इसे साइड में रख लें।

फिर से उसी पैन में तेल दो से तीन चम्मच डालें।

साथ में बारीक कटा दो प्याज डालकर भूनें। प्याज के भूनते ही उसमे आठ के दस कली लहसुन को क्रश करके डाल दें।

साथ में टमाटर को भी बारीक काटकर डाल दें। ढंककर टमाटर थोड़ा सा गला लें।

अब हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर डालें। साथ में तीखापन देखते हुए लाल मिर्च पाउडर भी डाल दें।

सबसे आखिर में थोड़ा सा गरम मसाला डालें और तैयार बेसन के चीले को डालकर मिक्स करें।

ये फ्राइड बेसन छोटे–छोटे टुकड़ों में कर लें, जिससे भुजिया जैसा बनकर तैयार हो।

बस ऊपर से ताजी कटी हरी धनिया डालें और गर्मागर्म परांठों के साथ सर्व करें।

इसे खाने के बाद बच्चे–बड़े सब दोबारा खाने की जिद करेंगे।

पार्लर का खर्चा बचाएं! घर की चीजों से 3 स्टेप में करें फेशियल, नेचुरली ग्लो करेगा चेहरा

❍ पार्लर में हमेशा महंगे फेशियल कराने की जरूरत नहीं होती है। घर पर ही आप नेचुरल चीजों से ये 3 स्टेप फेशियल कर सकती हैं। ये स्किन को सॉफ्ट, ब्राइट और ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। साथ ही चेहरे की स्किन ज्यादा हेल्दी बनी रहती है।

ग्लोइंग स्किन के लिए महिलाएं अक्सर पार्लर में फेशियल कराती हैं। फेशियल से तुरंत निखार तो आ जाता है, लेकिन हर बार पार्लर में महंगा खर्चा करना पॉसिबल नहीं होता। ऐसे में घर पर ही नेचुरल फेशियल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। सिर्फ 3 स्टेप में घर की चीजों से ही आप फेशियल कर सकती हैं। ये त्वचा को गहराई से क्लीन करता है, जिससे चेहरे पर एक नेचुरल ग्लो देखने को मिलता है। मानसून में आपको खासतौर से ये फेशियल हफ्ते या दस दिन में एक बार जरूर करना चाहिए। ये फेशियल रूटीन आपकी स्किन से धूल–मिट्टी, एक्स्ट्रा ऑयल को हटाने और स्किन को सॉफ्ट, हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाने में काफी मदद करता है। वैसे भी कई तीज–त्यौहार आने वाले हैं, तो ये फेशियल आपको अपने स्किनकेयर रूटीन में शामिल कर ही लेना चाहिए।

सिर्फ 3 स्टेप में घर बैठे करें DIY फेशियल

स्टेप 1– चेहरे की डीप क्लींजिंग करें

फेशियल का पहला स्टेप होता है, चेहरे को डीप क्लीन करना। इसके लिए आप कच्चे दूध का इस्तेमाल कर सकती हैं। कच्चा दूध एक बेहतरीन नेचुरल क्लींजर है, जो स्किन पर जमी डेड स्किन, ब्लैक हेड, व्हाइट हेड को रिमूव करने में हेल्प करता है। साथ ही इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन को ब्राइट करने में भी मदद करता है। बस आपको थोड़ा सा कच्चा दूध ले कर अपने चेहरे पर 1–2 मिनट के लिए जेंटली मसाज करना है। इससे चेहरा इंस्टेंटली काफी सॉफ्ट और हाइड्रेटेड नजर आएगा।

स्टेप 2– चेहरे को जेंटली स्क्रब करें

फेशियल के दूसरे स्टेप में आपको चेहरे के लिए एक स्क्रब तैयार करना है। इसके लिए एक बाउल में थोड़ा सा चावल का आटा, बेसन और कच्चा दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें। इस नेचुरल स्क्रब से आपको अपने फेस पर 1–2 मिनट के लिए जेंटली मसाज करना है, फिर नॉर्मल पानी से वॉश कर लेना है। ये स्क्रब चेहरे पर जमी डेड स्किन, एकस्ट्रा ऑयल और धूल मिट्टी को रिमूव करने में मदद करता है। साथ ही टैनिंग और डलनेस को भी दूर करता है।

काम की टिप– अगर आपकी स्किन काफी ज्यादा ऑयली है, तो आप कच्चे दूध की जगह गुलाबजल या सादे पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं।

स्टेप 3– एलोवेरा जेल से करें चेहरे की मसाज

तीसरे स्टेप में आपको सिर्फ एक अच्छे मॉइश्चराइजर से चेहरे की मसाज करनी है। इसके लिए एलोवेरा जेल एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। एलोवेरा जेल स्किन को हाइड्रेट रखने में मदद करता है, साथ ही रेडनेस, खुजली जैसी प्रॉब्लम्स में स्किन को सूदिंग रखने का काम करता है। इसके अलावा एलोवेरा जेल कुछ हद तक टैनिंग को कम करने में भी मदद कर सकता है, जिससे त्वचा ज्यादा ब्राइट, ग्लोइंग और सॉफ्ट नजर आ सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

आमतौर पर ये फेशियल हर स्किन टाइप को सूट हो जाता है, लेकिन अगर आपकी स्किन काफी ज्यादा सेंसेटिव है तो पैच टेस्ट करना जरूरी है।

हफ्ते में 1 से ज्यादा बार ये फेशियल न करें। वरना ओवर एक्सफोलिएशन से स्किन बैरियर डैमेज हो सकता है।

चेहरे पर किसी तरह की एलर्जी या बहुत ज्यादा पिंपल–एक्ने हों तब भी इस फेशियल को अवॉइड करना चाहिए।

ना मावा, ना मिल्क पाउडर! सावन व्रत के लिए 15 मिनट में बनाएं ये टेस्टी पेड़े, देखें रेसिपी

❍ सावन सोमवार का व्रत हो या भगवान शिव को भोग लगाने के लिए कुछ मीठे में बनाना हो, ये 15 मिनट में बनने वाले पेड़े ट्राई कर सकती हैं। बिना मावा, बिना मिल्क पाउडर के ये सिर्फ 15 मिनट में तैयार हो जाते हैं और इनका स्वाद भी खूब टेस्टी होता है।

सावन का महीना चल रहा है और इन दिनों मीठा खाने का खूब मन करता है। कई तीज–त्यौहार भी आते हैं, फिर भगवान शिव को भोग लगाने के लिए भी मीठे में कुछ बनाकर तैयार किया जाता है। ऐसे में आज एक ऐसी रेसिपी हम आपके साथ शेयर कर रहे हैं, जिसे बनाने के लिए ना मावा चाहिए और ना ही मिल्क पाउडर। सिर्फ थोड़े से दूध से आप काफी स्वादिष्ट पेड़े बनाकर तैयार कर सकती हैं। ये पेड़े मुंह में जाते ही घुल जाते हैं और काफी ज्यादा टेस्टी लगते हैं। सावन के सोमवार का व्रत कर रही हैं, तो उसके लिए भी ये पेड़े बनाकर रख सकती हैं। व्रत में दूध के साथ दो–चार पेड़े खा लेंगी, तो शरीर को भी एनर्जी मिल जाएगी। फिर भगवान को भोग लगाने के लिए भी मीठे में कुछ चाहिए रहता है, तो ये पेड़े उसके भी काम आ सकते हैं। तो चलिए फटाफट से इनकी रेसिपी जान लेते हैं–

व्रत वाले पेड़े बनाने के लिए सामग्री

बिना मावा और बिना मिल्क पाउडर के ये स्वादिष्ट पेड़े बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं– पनीर (250 ग्राम), मुट्ठीभर काजू, दूध (2 चम्मच), चीनी (आधा कप), दूध (1ध्4 कप), देसी घी (2 चम्मच), ऑरेंज फूड कलर (ऑप्शनल), इलायची पाउडर (आधा चम्मच), गार्निशिंग के लिए ड्राई फ्रूट्स (ऑप्शनल)।

बिना मावा, बिना मिल्क पाउडर ऐसे बनाएं टेस्टी पेड़े

सावन के व्रत में खाए जाने वाले ये टेस्टी पेड़े बनाने के लिए सबसे पहले ताजे पनीर को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें या फिर कद्दूकस कर लें। अब इसे एक मिक्सर जार में डालें, साथ में दो चम्मच ठंडा दूध और मुट्ठीभर काजू एड करें। इन सभी चीजों को पीसकर आपको एक स्मूद सा पेस्ट तैयार कर लेना है।

काम की टिप– पनीर को बड़े टुकड़ों में ना काटें, वरना ये मिक्सर में सही से पिस नहीं पाएगा। अच्छी कंसिस्टेंसी के लिए इसे कद्दूकस करना अच्छा रहेगा।

अब एक कढ़ाही में चीनी डालें और लो टू मीडियम फ्लेम पर इसे अच्छे से मेल्ट होने दें। इस दौरान आपको चीनी में पानी वगैरह नहीं मिलाना है, बस इसे चलाते हुए केरामलाइज कर लेना है। चीनी अच्छे से पिघल जाए तो इसमें दूध एड करें और चलाते हुए अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद आपको पनीर और काजू वाला पेस्ट इसमें एड करना है और सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लेना है।

काम की टिप– चीनी पकाने के बाद बहुत ज्यादा दूध एड ना करें। वरना ये मिक्सचर पतला बनेगा और इसे पकाने में काफी वक्त लग जाएगा।

मिक्सर थोड़ा सा पकने लगे तो इसमें दो चम्मच देसी घी मिलाएं। फिर चलाते हुए इसे और गाढ़ा होने दें। मिक्सर के गाढ़ा होने पर इसमें आप थोड़ा सा ऑरेंज फूड कलर मिला सकती हैं। साथ ही स्वाद के लिए इलायची पाउडर एड कर दें। अब जैसे ही ये मिक्सचर पूरी तरह गाढ़ा हो जाए तो गैस बंद करें और इसे ठंडा होने दें।

इस तरह बनाकर तैयार करें पेड़े

मिक्सचर ठंडा हो जाए तो इसके छोटे–छोटे से पेड़े बनाकर तैयार कर लें। गार्निशिंग के लिए आप ड्राई फ्रूट्स भी ऊपर से लगा सकती हैं। अब इन्हें फ्रिज में आधा घंटे के लिए सेट होने रख दें, टेस्टी पेड़े बनकर तैयार हैं।

बिना सीढ़ी और स्टूल के पंखा मिनटों में होगा साफ, इस देसी जुगाड़ से हट जाएगी जमी गंदगी और धूल

❍ छत वाला पंखा अगर गंदा हो जाए, तो हवा कम आने लगती है। ऐसे में इसकी समय-समय पर सफाई करना जरूरी होता है। अगर आपके घर में सीढ़ी- स्टूल नहीं है, तो सफाई करने के कुछ देसी तरीके अपनाकर देखें।

छत पर लगा पंखा हर दिन चलता है और ऐसे में धूल–गंदगी के कारण इसके पंख गंदे और चिपचिपे हो जाते हैं। ज्यादा गंदगी जमा होने पर पंखे की हवा धीमी हो जाती है और धीरे–धीरे बिल्कुल कम हो जाती है। अगर आपका छत वाला पंखा भी धीरे चल रहा है और गंदगी जमा हो चुकी है, तो अब साफ करने का समय आ गया है। अगर घर पर पंखा साफ करने के लिए सीढ़ी या स्टूल नहीं है, तो टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। हम आपको कुछ देसी जुगाड़ बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप बिना सीढ़ी–स्टूल के भी पंखा साफ कर सकते हैं।

बिना सीढ़ी और स्टूल के ऐसे करें सफाई

अगर आपके घर में सीढ़ी या स्टूल नहीं है, तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। आजकल बाजार में लंबे हैंडल वाले माइक्रोफाइबर डस्टर और टेलीस्कोपिक क्लीनिंग रॉड आसानी से मिल जाते हैं। इनकी मदद से आप जमीन पर खड़े–खड़े ही पंखे के ब्लेड तक पहुंच सकते हैं। अगर ये भी नहीं है, तो डंडे या वायपर की मदद लें।

वायपर या डंडा किससे होगा साफ

डंडे पर मोटा कपड़ा लगा दें, जिससे आसानी से गंदगी साफ हो जाए। फिर इसकी मदद से आप पंखे के ब्लेड्स को पोछते हुए साफ करें।

अगर डंडा नहीं है, तो वायपर लें और उसके ऊपर कपड़ा लपेट दें। वायपर से भी आप पंखा आसानी से साफ कर सकते हैं।

जिद्दी धूल हटाने के लिए क्या करें।

संक्षिप्त

रोहित का उदाहरण देकर कुलदीप को दिया जाता है हौसलाय कोच कपिल ने क्यों कहा–शिष्य का टूट जाएगा मनोबल?

नई दिल्ली,एजेंसी। कुलदीप यादव ने नौ साल पहले जब टेस्ट पदार्पण में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन किया तो महान सचिन तेंदुलकर ने उन्हें फोन कर यही कहा कि टेस्ट में 500 विकेट का लक्ष्य रखना। सचिन ने चाइनामैन कुलदीप के लिए ये बात कही तो डाली, लेकिन इस गेंदबाज को नौ वर्षों में मात्र 18 टेस्ट खेलने का मौका मिला है जिसमें उन्होंने 22.75 की औसत से 79 विकेट लिए हैं। कुलदीप लगातार टीम में भी रहे हैं, लेकिन अंतिम एकादश में खेलने का मौका नहीं मिला है। कुलदीप के बचपन के कोच कपिल पांडे अपने शिष्य की उपेक्षा से निराश हैं। कपिल कहते हैं कि अश्विन से लेकर मंदीप सिंह जैसे गेंदबाज कुलदीप की वकालत कर रहे हैं। फिर भी उन्हें स्थायी जगह नहीं मिल रही है। यह श्रीलंका दौरा कुलदीप के लिए अहम है। अगर यहां भी उनकी उपेक्षा हुई तो कुलदीप टूट जाएंगे। कपिल पांडे ने कहा कि कुलदीप का हौसला बढ़ाने के लिए वह उन्हें रोहित शर्मा का उदाहरण देते हैं। वह अक्सर कुलदीप से कहते हैं, रोहित को देखो कितना संघर्ष किया है। 2019 वनडे विश्वकप में पांच शतक लगाने के बाद उन्हें टेस्ट टीम में बतौर ओपनर जगह मिली। तुम्हारा भी समय आएगा बस हिम्मत नहीं हारना। कपिल कहते हैं कि वह कुलदीप से हमेशा यही बात कहते हैं कि टीम से ड्रॉप हो रहे हो तो इस बारे में मत सोचो, बस अपने गेंदबाजी पर ध्यान दो। उसने यही किया भी है, लेकिन वह है तो इंसान ही, एक क्रिकेटर को लगातार टीम से बाहर करते रहोगे तो कोई भी अंदर से टूट जाएगा। कपिल कहते हैं कि कुलदीप आज भी देश का नंबर एक स्पिनर है। उसमें विकेट लेने की कूवत है। वह लगातार इसी पर काम करता रहता है। कुलदीप ने इस वर्ष सिर्फ एक टेस्ट के अलावा चार–चार वनडे और टी–20 खेले हैं जिसमें उन्होंने 11 विकेट लिए हैं। कपिल कहते हैं कि अक्षर और वाशिंगटन सुंदर जैसे ऑलराउंडरों की कीमत पर कुलदीप जैसे गेंदबाज को बाहर रखना ठीक नहीं है। वह कहते हैं कि अगर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ ने शेन वॉर्न पर भरोसा कर उन्हें लगातार नहीं खिलाया होता तो वह इतने बड़े गेंदबाज कैसे बनते। कुलदीप में भी काबिलियत है, लेकिन उन पर भरोसा दिखाने की जरूरत है। कपिल कहते हैं कि अश्विन ने भी कहा है कि कुलदीप इस वक्त सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं, उन्हें लगातार खिलाना चाहिए। मंदीप ने भी कहा है कि कुलदीप को समर्थन की जरूरत है। इंग्लैंड दौरे पर कुलदीप टीम में थे, लेकिन उन्हें एकादश में जगह नहीं मिली। इसी तरह टी–20 विश्वकप में भी उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ ही खिलाया गया।

फीफा विश्वकप के दौरान मेसी को बम से उड़ाने की मिली थी धमकी? पुलिस डोजियर में चौंकाने वाला खुलासा

न्यूयॉर्क,एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 भले ही मैदान पर रोमांचक मुकाबलों और यादगार पलों के लिए जाना गया हो, लेकिन टूर्नामेंट के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के सामने कई गंभीर चुनौतियां भी आईं। अर्जेंटीना के कप्तान और दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को कथित तौर पर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। पुलिस डोजियर में दर्ज घटनाओं का हवाला देते हुए सामने आई एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों, अधिकारियों और उनके परिवारों को निशाना बनाने की कई धमकियां मिली थीं। इनमें मेसी के खिलाफ मिली धमकियां सबसे गंभीर और विशिष्ट बताई गईं। एक मामले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अधिकारियों को फोन कर कहा कि वह दो अन्य लोगों के साथ डलास के स्टेडियम की ओर जा रहा है। उसके पास कथित तौर पर होममेड बम और AR–15 राइफल थी। उसने पुलिस अधिकारियों और दोनों टीमों के खिलाड़ियों को निशाना बनाने की बात कही और विशेष रूप से मेसी का नाम लिया। मेसी को लेकर एक और धमकी अर्जेंटीना और मिस्र के बीच सात जुलाई को खेले गए मुकाबले से जुड़ी थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि पोस्ट करने वाला व्यक्ति अटलांटा स्टेडियम में प्रवेश करने वाला है और उसके शरीर पर चार बम बंधे हुए हैं। उस पोस्ट में कथित तौर पर लिखा था, मैं अटलांटा स्टेडियम में जाकर अपने शरीर पर बंधे चार बमों से मेसी को उड़ा दूंगा। इस पोस्ट के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। स्टेडियम में विस्फोटक विशेषज्ञों, डॉग हैंडलर्स और ज्ञ–9 यूनिट्स की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। एक अन्य कॉल में स्टेडियम के कूड़ेदानों में तीन बम रखे होने का दावा किया गया था। सिर्फ मेसी ही नहीं, पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो को लेकर भी कई घटनाएं सामने आईं। 14 जून को फीफा के एक कर्मचारी ने अधिकारियों को सूचना दी कि एक व्यक्ति रोनाल्डो के ठहरने की जगह की जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद ह्यूस्टन पुलिस ने उस होटल से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जहां रोनाल्डो और पुर्तगाल की टीम ठहरी हुई थी। टोरंटो में भी एक अन्य व्यक्ति को रोनाल्डो के साथ लिफ्ट में जाने की कोशिश करने के बाद हिरासत में लिया गया। उसने पुलिस को कथित तौर पर बताया कि वह सिर्फ रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेना चाहता था। फ्रांस के रेफरी फ्रांस्वा लेटेक्सियर भी सुरक्षा खतरों से अछूते नहीं रहे। डोजियर के मुताबिक, उन्हें व्हाट्सऐप पर 6,000 से ज्यादा धमकी भरे संदेश मिले। विश्व कप के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी एफबीआई और आईपीसीसी यानी सेंटर फॉर इंटरनेशनल पुलिस कू–ऑपरेशन के नेतृत्व वाले संयुक्त नेटवर्क ने की।

5000 वनडे पूरे, 55 साल में कितना बदला यह प्रारूप? सचिन–अकरम–वास और रोहित–कोहली रिकॉर्ड बुक में छाए

नई दिल्ली,एजेंसी। पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वनडे ऐसा पहला फॉर्मेट बन गया है, जिसमें 5000 मैच खेले गए हों। शुक्रवार को स्कॉटलैंड और कनाडा के बीच मुकाबले के साथ ही पुरुष वनडे क्रिकेट ने यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया। जनवरी 1971 में शुरू हुआ यह प्रारूप पिछले 55 वर्षों में लगातार बदलता रहा है। कई बार इसके अस्तित्व पर भी सवाल उठे। कई पूर्व क्रिकेटरों ने इसे बोरिंग बताया और बंद करने की मांग की। हालांकि, तमाम चुनौतियों के बावजूद वनडे क्रिकेट का अहम हिस्सा बना हुआ है। वनडे से करीब 94 साल पहले टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत हुई थी। टेस्ट का पहला मैच 1877 में खेला गया था। वहीं, पहला टी20 2005 में खेला गया था। टेस्ट अभी 3000 मैचों के आंकड़े तक भी नहीं पहुंचा है, जबकि टी20 ने 4000 का आंकड़ा पार कर लिया। 5000 मैचों को 1000–1000 मैचों के पांच हिस्सों में बांटने से वनडे क्रिकेट में आए बदलावों की तस्वीर और साफ होती है। शुरुआती 1000 वनडे मैच खेलने में 24 साल लगे। 1000वां मैच 1995 में नॉटिंघम में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया था और यह मुकाबला रिजर्व डे तक गया था। इसके बाद अगले 31 वर्षों में 4000 और वनडे खेले गए। दूसरे 1000 वनडे मैच सिर्फ आठ साल में खेले गए, जो पहले 1000 मैचों में लगे समय के एक–तिहाई से भी कम था। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के आने के बावजूद शुरुआत में वनडे की संख्या में तुरंत गिरावट नहीं आई। 2007 में 191 वनडे खेले गए, जो एक साल में सबसे ज्यादा वनडे का रिकॉर्ड था। 2023 के वनडे विश्व कप वाले साल में यह रिकॉर्ड टूट गया, जब 218 मैच खेले गए।

हालांकि पांचवें 1000 मैचों के हिस्से में 3065 दिन लगे। 2020 में कोरोना महामारी के कारण लगा ब्रेक, टी20 लीग की बढ़ती संख्या और द्विपक्षीय सीरीज के छोटा होने जैसे कारणों ने वनडे को प्रभावित किया। हाल के 1000 मैचों में बड़े स्कोर की संख्या में काफी इजाफा हुआ। इस दौर में 300 या उससे ज्यादा के 321 स्कोर बने। इनमें 86 बार स्कोर 350 से ज्यादा रहा, जबकि 14 बार टीमों ने 400 का आंकड़ा पार किया। पहले 3000 वनडे मैचों में 300 या उससे ज्यादा के केवल 360 स्कोर बने थे और 350 से ज्यादा के सिर्फ 47। लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने भी बड़े स्कोर बनाए। पिछले 1000 वनडे में चेज करने वाली टीमों ने 90 बार 300 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया। इनमें 44 स्कोर सफल 300 चेज में आए। 14 बार 350 का आंकड़ा भी पार हुआ, जो पहले 4000 मैचों में हुए ऐसे 10 स्कोर से चार ज्यादा है। शुरुआती 1000 मैचों में जहां 2729 छक्के लगे, वहीं 4001वें से 4998वें वनडे के दौर में यह आंकड़ा बढ़कर 9274 हो गया। यानी शुरुआती दौर के मुकाबले छक्कों की संख्या तीन गुने से भी ज्यादा हो गई। यानी वनडे क्रिकेट में जैसे–जैसे दौर आगे बढ़ा, बल्लेबाजों के छक्के लगाने की रफ्तार लगातार बढ़ती गई।

हाल के 1000 वनडे मैचों में बल्लेबाजी औसत भी बढ़कर 29.03 हो गया, जो पहले 1000 मैचों में 26.39 था। बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट भी 66.15 से बढ़कर 83.4 हो गया। बाउंड्री लगाने की दर में भी बड़ा इजाफा हुआ है। अब करीब दो दशक पहले की तुलना में दोगुनी से ज्यादा तेजी से बाउंड्री लगती हैं। दूसरे 1000 वनडे के दौरान हर 127.01 गेंद पर एक छक्का लगता था और प्रति मैच औसतन 4.30 छक्के लगते थे। हालिया 1000 मैचों में यह आंकड़ा बढ़कर 9.29 छक्के प्रति मैच हो गया है। अब हर 55.42 गेंद पर एक छक्का लग रहा है। प्रति मैच बाउंड्री की संख्या भी 38.05 से बढ़कर 48.07 हो गई है। गेंदबाजों के लिए भी विकेट लेने के लिहाज से सुधार हुआ है। हालिया 1000 मैचों में हर 36.8 गेंद पर एक विकेट गिरा, जो पांचों दौर में सबसे बेहतर आंकड़ा है। पहले 1000 मैचों में एक विकेट के लिए औसतन 45 गेंद लगती थीं। वहीं इकोनॉमी रेट 4.14 से बढ़कर 5.2 रन प्रति ओवर हो गया। पांच विकेट लेने वाले गेंदबाजों की संख्या भी पहले 1000 मैचों के 95 से बढ़कर नवीनतम 1000 में 177 हो गई।

शुरुआती 1000 मैचों में डेसमंड हेंस 8648 रन के साथ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। इसके बाद सचिन तेंदुलकर ने दूसरे 1000 मैचों में 9149 रन बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया और वह लंबे समय तक इस रिकॉर्ड पर कायम रहे। शुरुआती 1000 मैचों में वसीम अकरम के 273 विकेट सबसे ज्यादा थे। 1994 से 2009 के बीच वह वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, जिसके बाद मुथैया मुरलीधरन ने उन्हें पीछे छोड़ा। मुरलीधरन अब भी इस रिकॉर्ड पर कायम हैं। तीसरे दौर के अंत में सचिन तेंदुलकर ने पुरुष वनडे में पहला दोहरा शतक लगाया। इसके बाद अगले 1000 मैचों में छह दोहरे शतक बने, जिनमें तीन अकेले रोहित शर्मा के नाम रहे। नवीनतम 1000 मैचों में पांच बल्लेबाजों ने दोहरे शतक लगाए, लेकिन फरवरी 2024 के बाद कोई दोहरा शतक नहीं आया। हालिया 1000 मैचों में शाई होप 5391 रन के साथ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, जबकि एडम जैम्पा ने 156 विकेट लेकर गेंदबाजों में शीर्ष स्थान हासिल किया। पिछले दौरों के शीर्ष खिलाड़ियों की तुलना में इनके आंकड़े कम हैं, जो दिखाता है कि अब ज्यादा टीमें वनडे खेल रही हैं और शीर्ष टीमें पहले की तुलना में कम वनडे खेल रही हैं।

ऋषभ पंत ने आधी रात सीएम धामी से लगाई जमीन दिलाने की गुहार, अब उत्तराखंड के मुख्यमंत्री का आया जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि इस बार वजह उनका बल्ला या मैदान पर उनका प्रदर्शन नहीं, बल्कि उत्तराखंड में जमीन लेने को लेकर की गई उनकी अपील और अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का जवाब है। पंत फिलहाल श्रीलंका इलेवन के खिलाफ कोलंबो में वार्म अप मैच खेल रहे हैं। शुक्रवार को वह विकेटकीपिंग करते भी नजर आए थे। इसके बाद शुक्रवार आधी रात उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को टैग करते हुए राज्य में जमीन दिलाने की गुहार लगाई थी। पंत ने उत्तराखंड में अपना बेस बनाने और अपने राज्य के लिए काम करने की इच्छा जताई थी। उनकी अपील सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई थी। अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंत की अपील का जवाब देते हुए संबंधित अधिकारियों को मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषभ पंत के पोस्ट का जवाब देते हुए उन्हें उत्तराखंड का गौरव बताया। उन्होंने कहा कि पंत ने अपने शानदार खेल और उपलब्धियों के जरिए देश–दुनिया में देवभूमि का नाम रोशन किया है। धामी ने पंत की अपनी मातृभूमि के प्रति भावनाओं और उत्तराखंड लौटकर योगदान देने की इच्छा की भी सराहना की। धामी ने लिखा, श्प्रिय ऋषभ, आप उत्तराखण्ड के गौरव हैं। आपने अपने शानदार खेल और उपलब्धियों से देश–दुनिया में देवभूमि का नाम रोशन किया है। अपनी मातृभूमि के प्रति आपका यह प्रेम और यहां वापस आकर योगदान देने की भावना अत्यंत सराहनीय है।

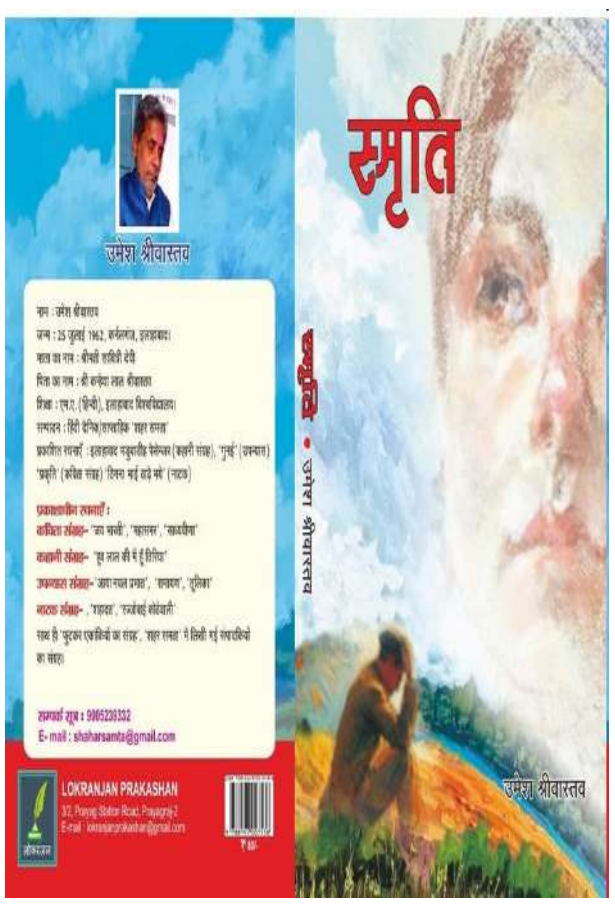

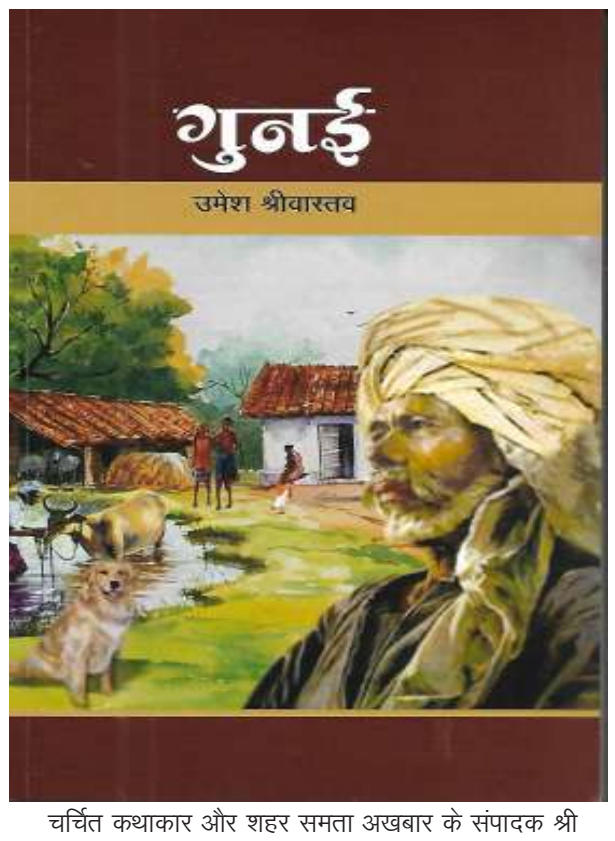

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

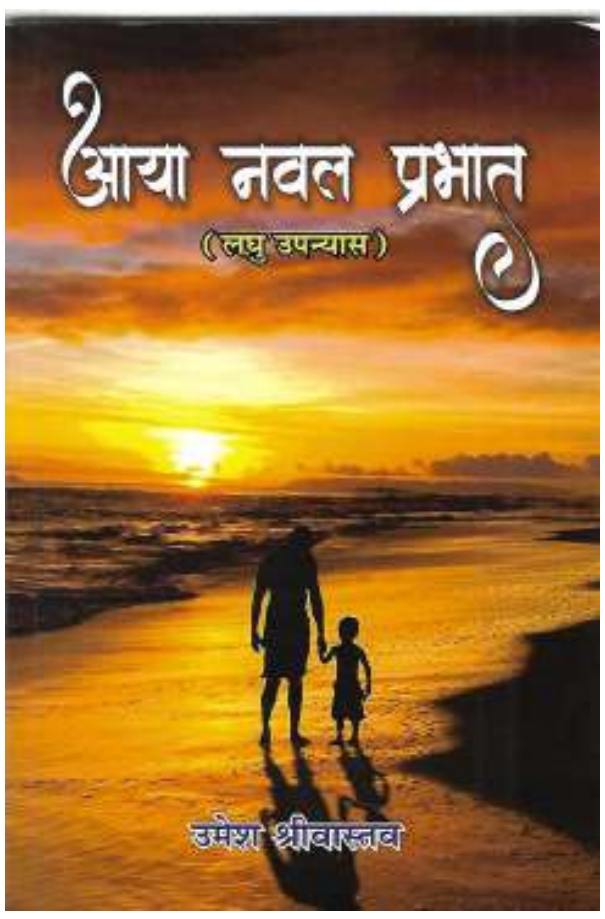

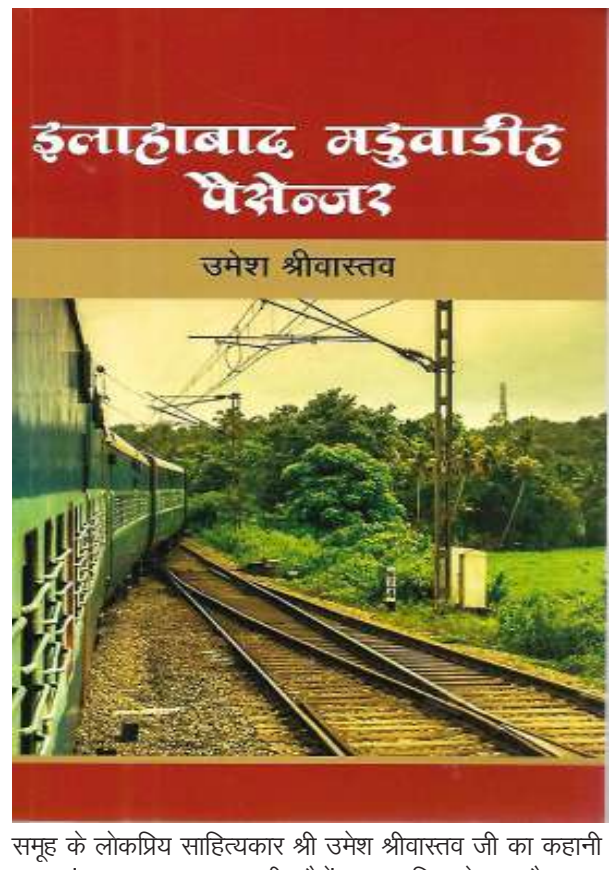

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

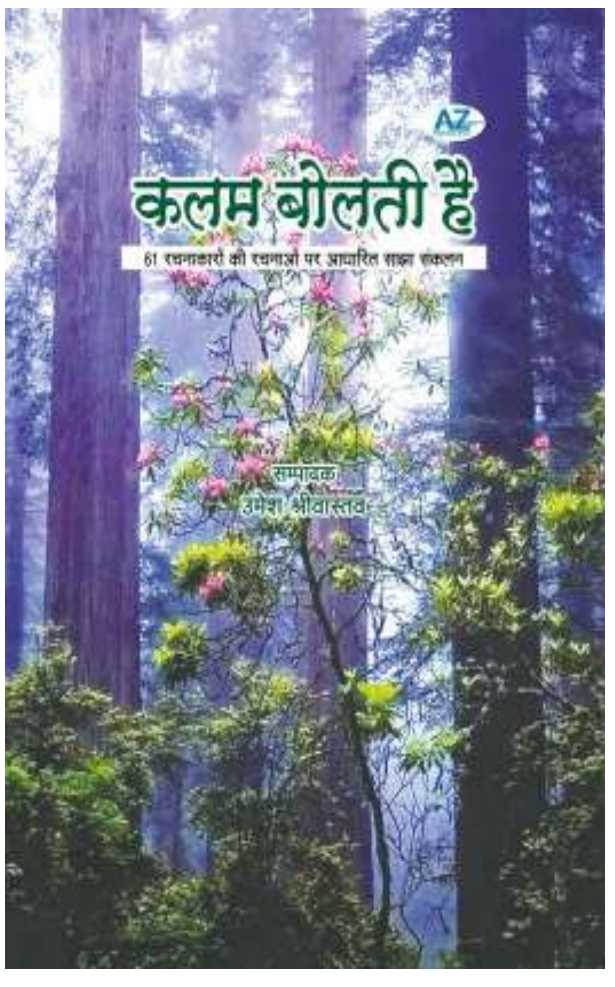

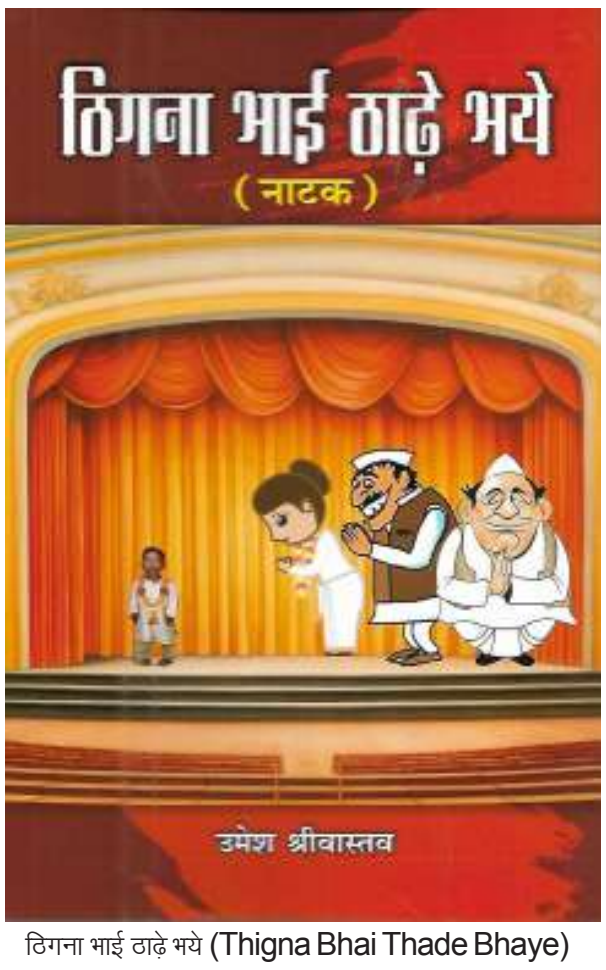

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

`बातचीत जारी रहेगी, लेकिन आत्मसमर्पण नहीं करेंगे': पेजेशकियन की अमेरिका को धमकी, होर्मुज के पास दो धमाके

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि उनका देश अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बातचीत जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि तेहरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। पेजेशकियन ने ये बातें शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक साक्षात्कार में कहीं। यह साक्षात्कार उनके कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित हुआ। उन्होंने ईरान सरकार के अमेरिका के साथ बातचीत में शामिल होने और युद्ध खत्म करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने के फैसले का बचाव किया। ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने क्या कहा? पेजेशकियन ने कहा, जब तक अमेरिका समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करता रहेगा, तब तक ईरान भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाता रहेगा। उन्होंने आगे कहा, जहां भी वे (अमेरिकी पक्ष) अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने में विफल रहते हैं, वहां हमारी आगे अपनी प्रतिबद्धता निभाने की कोई जिम्मेदारी नहीं है। इस सप्ताह की शुरुआत में पेजेशकियन ने

उन अटकलों को खारिज किया था कि वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वह पूरी मजबूती के साथ अपना काम जारी रखेंगे। उनके ये बयान ईरान के नेतृत्व में समझौते को लेकर कथित श्मतभेदश की खबरों के बीच आए। जून में ईरान और अमेरिका ने अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत दोनों देशों को अंतिम समझौते पर पहुंचने के लिए 60 दिनों के अंदर बातचीत करनी थी। हालांकि, दोनों देशों के बीच फिर से बढ़े तनाव के कारण अब इन बातचीत का भविष्य साफ नहीं है। होर्मुज के पास दो धमाकों की आवाजें सुनाई दीं

इस बीच, गुरुवार रात ईरान के दक्षिण में स्थित होर्मोजगान प्रांत के केश्म द्वीप पर दो धमाकों की आवाज सुनी गई। अर्ध–सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ये धमाके होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश क्षेत्र में ईरानी सशस्त्र बलों और श्दुश्मनश के बीच हुई कार्रवाई के कारण हुए। तस्नीम ने जानकार सूत्रों के हवाले से बताया कि धमाकों की आवाज रात करीब 9रू40 बजे (स्थानीय समय के अनुसार) सुनी गई। एजेंसी ने यह भी कहा कि ईरानी नौसेना की इस कार्रवाई में क्या श्उपलब्धियांश हासिल हुईं, इसकी जानकारी आने वाले घंटों में दी जाएगी। इराकी मिलिशिया संगठन ने अमेरिकी के खिलाफ जवाबी कार्रवाई टाली उधर, ईरान समर्थक इराकी लड़ाकों के संगठन श्इस्लामी रेजिस्टेंसश ने कहा कि उसने अमेरिका और सऊदी अरब की सेनाओं के खिलाफ की जाने वाली जवाबी कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया है। संगठन ने एक बयान में कहा कि यह फैसला शिया राजनेताओं की अपील के बाद लिया गया है। अमेरिका और सऊदी ने की थी संयुक्त कार्रवाई इस संगठन ने 29 जुलाई को अमेरिका और सऊदी अरब की संयुक्त हवाई कार्रवाई को लेकर इराक सरकार से कूटनीतिक या सुरक्षा के स्तर पर कड़ा कदम उठाने की मांग की थी। इस हवाई कार्रवाई में इराक के पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज (पीएमएफ) के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह मुख्य रूप से शिया लड़ाकों का गठबंधन है। हमलों में 20 लोगों की मौत हुई थी। संगठन ने पहले धमकी दी थी कि अगर इराक सरकार इन हवाई हमलों के खिलाफ सख्त रुख नहीं अपनाती है, तो वह जवाबी हमले शुरू करेगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, संगठन की ओर से दी गई समय सीमा शुक्रवार को खत्म हो गई। सऊदी अरब ने क्या कहा था?

सऊदी अरब ने 27 जुलाई को कहा था कि उसने इराक से भेजे गए उन ड्रोन को रोक दिया था, जिनके जरिये उसकी तेल सुविधाओं को निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। इसके जवाब में सऊदी अरब ने अमेरिका के साथ मिलकर हवाई हमले किए। अमेरिका लंबे समय से इराक में ईरान समर्थक सशस्त्र समूहों के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका और सऊदी अरब के लड़ाकू विमानों ने इन समूहों की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले कई लॉजिस्टिक्स और हथियारों के ठिकानों पर हमला किया था। अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने कहा था कि यह कार्रवाई पिछले 72 घंटों में हुए हवाई हमलों के जवाब में की गई थी। इन हमलों का निर्देश ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की ओर से दिया गया था। सेंटकॉम ने क्या कहा? सेंटकॉम ने यह नहीं बताया था कि किन समूहों को निशाना बनाया गया और न ही हमलों की सही जगहों की जानकारी दी थी। उसने सिर्फ इतना कहा था कि ये हमले पूर्वी इराक के अलग–अलग इलाकों में किए गए। सेंटकॉम ने इन हमलों में हुई मौतों या नुकसान की मात्रा की भी कोई जानकारी नहीं दी थी। सेंटकॉम ने कहा था कि इराक में ईरान से जुड़े सशस्त्र लड़ाकों के समूहों ने फरवरी से अप्रैल 2026 के बीच अमेरिकी नागरिकों और ठिकानों के खिलाफ 600 से ज्यादा हमले करने की कोशिश की थी। इराक ने कहा कि सऊदी अरब पर हुए ड्रोन हमले इराकी क्षेत्र से किए गए थे। हालांकि, उसने यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया।

संक्षिप्त

'कागजी समझौता सुरक्षा नहीं देगा': PAK–सऊदी–तुर्किये रक्षा समझौते पर ईरान ने कसा तंज, रियाद को क्या चेतावनी दी?

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के नए रक्षा समझौते पर सवाल उठाए हैं। ईरान की

संसद और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग के एक सदस्य ने कहा कि समझौता होने के बावजूद इससे सऊदी अरब को लंबे समय की सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलेगी। ईरान ने रक्षा समझौते पर क्या कहा? ईरान की संसद और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग के सदस्य इब्राहिम रजाई ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए नए रक्षा समझौते की आलोचना की। उन्होंने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर हो जाने के बावजूद इससे सऊदी अरब की सुरक्षा लंबे समय तक सुनिश्चित नहीं होगी। इब्राहिम रजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस रक्षा समझौते पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, सऊदी लोगों को यह समझना चाहिए कि तुर्किये और पाकिस्तान के साथ कागज पर किया गया समझौता उन्हें सुरक्षा नहीं देगा। जिस तरह कई वर्षों तक अमेरिका का एकतरफा साथ देने से भी उन्हें सुरक्षा नहीं मिली। उन्होंने दावा किया कि अगर सऊदी अरब अपनी नीतियों में बदलाव करता है, तो उसे सुरक्षा के लिए दूसरे देशों से शगिड़गिड़ाकर मांगनेश की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे पहले दिन में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने श्मक्का संयुक्त रक्षा समझौतेश नाम से एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद तीनों देशों के बीच सुरक्षा संबंधों को मजबूत करना है। किस माहौल में हुआ रक्षा समझौता? यह समझौता ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच जंग चल रही है। इस युद्ध का असर उन खाड़ी देशों पर भी पड़ा है, जो इसमें शामिल नहीं होना चाहते थे। इसके कारण होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर से होने वाली जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है। यह समझौता मक्का में हुआ। मक्का इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है और यहीं पैगंबर मोहम्मद का जन्म हुआ था। समझौते के अनुसार, तीनों में से किसी एक देश पर हमला बाकी दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इस समझौते का उद्देश्य किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई के खिलाफ तीनों देशों की सामूहिक सुरक्षा को मजबूत करना है। इसमें कहा गया है कि तीनों में से किसी एक देश पर होने वाला कोई भी सशस्त्र हमला सभी पर हमला माना जाएगा। समझौते में तीनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के सभी क्षेत्रों को मजबूत करने की भी बात कही गई है। किन बातों पर आधारित है यह समझौता? बयान में आगे कहा गया कि यह समझौता श्तीनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंधों, भाईचारे और इस्लामी एकजुटता के मजबूत संबंधोंश पर आधारित है। साथ ही, यह तीनों देशों के साझा रणनीतिक हितों और लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी आधारित है। यह समझौता सऊदी अरब में हुई एक बैठक के दौरान किया गया। बैठक में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शामिल हुए। सऊदी अरब ने रक्षा साझेदारी क्यों बढ़ाई? ईरान से जुड़ी जंग के दौरान सऊदी अरब पर कई हमले हो चुके हैं। इसके बाद सऊदी अरब अपने रक्षा साझेदार देशों की संख्या बढ़ाने और अलग–अलग देशों के साथ रक्षा संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहा था। ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों जैसे हूती और इराकी मिलिशिया ने सऊदी अरब के अहम बुनियादी ढांचे और तेल प्रतिष्ठानों पर कई बार ड्रोन और मिसाइल हमले किए थे।

बॉलरूम निर्माण पर कोर्ट के फैसले से क्यों नाराज हुए ट्रंप? राष्ट्रीय सुरक्षा को बताया खतरा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में नया बॉलरूम बनाने पर रोक लगाने वाले संघीय अपील कोर्ट के फैसले की आलोचना की। उन्होंने इस फैसले को श्राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतराश और श्राष्ट्रीय शर्मश बताया। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन इस फैसले को तुरंत सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा। ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ट्रुथ सोशलश पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने संघीय अपील कोर्ट के उस फैसले की आलोचना की, जो जजों के बीच मतभेद के साथ आया था। कोर्ट ने कहा था कि प्रस्तावित बॉलरूम बनाने के लिए कांग्रेस (संसद) की मंजूरी जरूरी है। ट्रंप ने कोर्ट के फैसले पर क्या कहा? ट्रंप ने लिखा कि दो जजों ने इस बॉलरूम परियोजना के खिलाफ फैसला दिया है। इनमें से एक जज को बराक ओबामा और दूसरे को जो बाइडन ने नियुक्त किया था। ट्रंप ने कहा कि यह एक बेहद जरूरी और सुरक्षित बॉलरूमश्सैन्य परिसर है, जिसकी छत पर एक बड़ा ड्रोनपोर्ट भी बनाया जाना है। ट्रंप ने कहा कि जजों का कहना है कि हर राष्ट्रपति व्हाइट हाउस का सिर्फ एक अस्थायी किरायेदार होता है। लेकिन ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति किरायेदार नहीं हैं, बल्कि उन्हें अमेरिका की जनता ने चुना है। इसलिए उन्हें व्हाइट हाउस की मरम्मत करने, उसका नवीनीकरण करने, उसे सुरक्षित रखने, उसकी रक्षा करने और उसे सुंदर बनाने का अधिकार है। ट्रंप ने कोर्ट के फैसले को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए आगे कहा, यह फैसला उस समय दिया गया है, जब काफी काम हो चुका है और उसका भुगतान भी किया जा चुका है। यह सबसे ऊंचे स्तर पर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। यह राष्ट्रीय शर्म भी है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

कैलिफोर्निया में कंटेंट क्रिएटर्स पर क्यों बढ़ी सख्ती ? पैसे लेकर सियासी पोस्ट करने पर लग सकता है जुर्माना

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया में गवर्नर पद के लिए प्राथमिक चुनाव के लिए मतदान खत्म होने में कुछ हफ्ते बाकी हैं। इसी बीच, लॉस एंजिलिस के रहने वाले सोशल मीडिया क्रिएटर शाका स्मिथ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। उनके सात लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उन्होंने बताया कि वह किसे वोट देंगे और क्यों। शाका स्मिथ ने क्या कहा? शाका स्मिथ ने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च इतना नहीं होना चाहिए कि आपका दिवाला निकल जाए। घर खरीदना इतना मुश्किल नहीं होना चाहिए। प्रदूषण फैलाने वालों का खर्च हमें नहीं उठाना चाहिए और कलाकारों की जगह एआई को नहीं लेना चाहिए। इसलिए मैं गवर्नर पद के लिए टॉम स्टेयर का समर्थन कर रहा हूं। लेकिन स्मिथ ने वीडियो की शुरुआत एक अस्वीकारीकरण (डिस्क्लेमर) से की। उन्होंने कहा, श्यह एक विज्ञापन है और सच कहूं तो

मेरी इच्छा है कि ज्यादा राजनीतिक कंटेंट में यह बात शुरुआत में ही कही जाए।श उनके पोस्ट के कैप्शन में यह भी साफ लिखा था कि उन्हें स्टेयर के चुनाव अभियान ने पैसे दिए थे। जानकारी न देने पर लग सकता है जुर्माना?

कैलिफोर्निया और टेक्सस उन दो राज्यों में शामिल हैं, जहां ऐसे नियम हैं जिनके तहत कंटेंट क्रिएटर्स को बताना जरूरी है कि उन्हें किसी राजनीतिक अभियान ने पोस्ट करने के लिए पैसे दिए हैं। अब कैलिफोर्निया ऐसे मामलों में और सख्ती करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत पैसे मिलने की जानकारी नहीं देने वाले क्रिएटर्स पर जुर्माना लगाया जा सकता है। चुनावी अभियान लंबे समय से मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए मशहूर हस्तियों और बड़े इन्फ्लुएंसर्स के साथ काम करते रहे हैं। लेकिन अब वे छोटे क्रिएटर्स के साथ भी अपने साथ जोड़ रहे हैं। इनमें कभी–कभी 1 लाख से भी कम फॉलोअर्स वाले क्रिएटर्स शामिल होते हैं। मध्यावधि और राष्ट्रपति चुनावों में होगी कंटेंट क्रिएटर्स की भूमिका इससे इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि राजनीतिक विज्ञापनों से जुड़े खुलासे के नियम कंटेंट क्रिएटर्स पर भी लागू होने चाहिए या नहीं। माना जा रहा है कि आने वाले मध्यावधि चुनावों और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में इन क्रिएटर्स की बड़ी भूमिका हो सकती है। डेमोक्रेटिक रणनीतिकार माइक नेलिस ने क्या कहा? डेमोक्रेटिक रणनीतिकार माइक नेलिस ने कहा, अगर आप राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं और अभी इन लोगों का समर्थन हासिल करने या अपने लिए ऐसे लोगों को तैयार करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, जो आपकी ओर से बात कर सकें, तो आप पहले ही पीछे हैं। नेलिस ने कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के लिए काम किया था। चुनावी अभियान अपना संदेश फैलाने के लिए क्रिएटर्स की मदद ले रहे हैं। कंटेंट क्रिएटर्स से जुड़ी पारदर्शिता को लेकर सवाल ऐसे कई चर्चित मामलों के बाद बढ़े हैं, जिनमें इन्फ्लुएंसर्स ने लोगों की राय या वोट बदलने के उद्देश्य से कंटेंट बनाया, लेकिन यह नहीं बताया कि उन्हें इसके लिए पैसे दिए गए थे।

पीओके में हिंसा: UN ने पाकिस्तान को लगाई लताड़, किससे की जवाबदेही तय करने की मांग?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (च्वज्ञ) में बिगड़ते सुरक्षा हालात पर संयुक्त राष्ट्र (UN) ने चिंता जताई है। न्छ महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के डिप्टी प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ अगर कार्रवाई में उन्हें नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महासचिव न्छ मानवाधिकार

उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के काम का समर्थन करते हैं और उम्मीद है कि उनकी अपीलों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा। क्या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जांच होगी? फरहान हक ने शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में कहा,श्महासचिव अपने हाई कमिश्नर के काम का समर्थन करते हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि मिस्टर तुर्क की बातों पर ध्यान दिया जाएगा। वह PoK में मौजूदा सुरक्षा हालात और हाल की घटनाओं को लेकर महासचिव के रुख के बारे में पूछे गए PTI के सवाल का जवाब दे रहे थे। पीओके में हुई हालिया हिंसा पर UN ने क्या कहा? पिछले महीने UN के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पीओके में हुई हालिया घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई थी।

उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मौत, पाकिस्तान की ओर से श्जॉइंट अवामी एक्शन कमेटीश (JAAC) पर प्रतिबंध लगाए जाने और उसके नेताओं की गिरफ्तारी की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की थी। क्या इंटरनेट पर लगी पाबंदियां भी चिंता का कारण हैं?

UN की ओर से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के अधिकार पर असर डालने वाली पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई गई थी। इनमें इंटरनेट एक्सेस पर प्रतिबंध और सार्वजनिक रूप से लोगों के एकत्र होने पर लगाई गई पाबंदियां शामिल हैं। अधिकारियों से जवाबदेही क्यों मांगी जा रही है?

जब हक से पूछा गया कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग की जाएगी, तो उन्होंने कहा, श्यह जरूरी है कि हर जगह अधिकारी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की अनुमति दें और निश्चित रूप से यहां भी ऐसा ही होना चाहिए। अगर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।

H-1B और ग्रीन कार्ड पर बढ़ेगी सख्ती ?: PERM नियम बदलने की मांग, भारतीय प्रोफेशनल्स की कैसे बढ़ेंगी मुश्किलें ?

एजेंसी। रिपब्लिकन सीनेटर एरिक श्मिट ने अमेरिकी श्रम विभाग से पीईआरएम प्रक्रिया में व्यापक बदलाव करने की मांग की है। उनका आरोप है कि मौजूदा व्यवस्था का दुरुपयोग कर कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह विदेशी श्रमिकों को मौका देती हैं। प्रस्ताव में अमेरिकी आवेदकों के रिकॉर्ड रखने, रिजेक्शन का कारण दर्ज करने, योग्य बेरोजगार अमेरिकियों को नौकरी की जानकारी देने और उनका इंटरव्यू लेने जैसे कड़े प्रावधान सुझाए गए हैं। चूंकि वित्त वर्ष 2025 में स्वीकृत एच–1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं, इसलिए प्रस्तावित बदलावों का असर भारतीय टेक प्रोफेशनल्स पर पड़ सकता है। हालांकि,

फिलहाल यह केवल बदलाव का प्रस्ताव है और इसका वास्तविक असर श्रम विभाग के अंतिम फैसले पर निर्भर करेगा। आखिर पीईआरएम प्रक्रिया में बदलाव की मांग क्यों उठी? सीनेटर एरिक श्मिट ने कार्यवाहक श्रम सचिव कीथ सॉन्डरलिंग को पत्र लिखकर पीईआरएम यानी प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक रिव्यू मैनेजमेंट प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की मांग की है। नियोक्ता आमतौर पर पीईआरएम का इस्तेमाल किसी विदेशी कर्मचारी को अमेरिका में स्थायी नौकरी दिलाने और उसके लिए ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया शुरू करने के पहले चरण के तौर पर करते हैं। क्या कंपनियां सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख रही? एरिक श्मिट ने लिखा,श्पीईआरएम और एच–1बी प्रोग्राम के दुरुपयोग से कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख लेती हैं। विभाग को इस दुरुपयोग को रोकना चाहिए और नियमों के असली मकसद को बहाल करना चाहिए। क्या भारतीयों को लेकर सीधे कोई बदलाव प्रस्तावित है? उन्होंने पत्र में भारत का नाम नहीं लिया और न ही एच–1बी या ग्रीन कार्ड के नियमों में सीधे बदलाव का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने सिर्फ श्रम विभाग से नियमों को दोबारा लिखने और ऑडिट, संदिग्ध धोखाधड़ी तथा पीईआरएम आवेदकों के ओपीटी और एच–1बी वीजा के पिछले इस्तेमाल से जुड़े आंकड़े सार्वजनिक करने को कहा है। भारतीय प्रोफेशनल्स पर इसका असर क्यों पड़ सकता है? अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में स्वीकृत सभी एच–1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं। कई भारतीय छात्र स्टूडेंट वीजा और ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) के जरिए एच–1बी नौकरी तक पहुंचते हैं और इसके बाद नियोक्ता द्वारा प्रायोजित स्थायी निवास के लिए आवेदन करते हैं। क्या ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया जटिल होगी? विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भर्ती से जुड़े दस्तावेजों की जांच सख्त की गई तो नियोक्ताओं पर अनुपालन का बोझ बढ़ेगा और ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में भी जांच कड़ी हो सकती है। पहले से ही जटिल मानी जाने वाली स्पॉन्सरशिप प्रक्रिया और लंबी हो सकती है। हालांकि, अंतिम असर इस बात पर निर्भर करेगा कि श्रम विभाग एरिक श्मिट के प्रस्तावों को किस हद तक अपनाता है। 20 साल पुराने पीईआरएम नियमों पर सवाल क्यों उठ रहे हैं? एरिक श्मिट ने कहा कि पीईआरएम के नियम 20 साल से ज्यादा समय से नहीं बदले हैं। गैर–पेशेवर पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में आमतौर पर दो अखबारों में विज्ञापन देना और राज्य रोजगार एजेंसी में पंजीकरण कराना जरूरी है। वहीं, पेशेवर पदों के लिए ऑनलाइन विज्ञापन देना अनिवार्य नहीं है। क्या पुराने भर्ती नियमों की वजह से हो रहा नुकसान? उन्होंने लिखा,श्अखबारों का प्रचलन घटने और ऑनलाइन आवेदन आम होने के बावजूद पुराने नियमों की वजह से नियोक्ता नौकरियों को अमेरिकियों से छिपा लेते हैं और दिखाते हैं कि उन्होंने घरेलू स्तर पर भर्ती की कोशिश की। हर अमेरिकी आवेदक का रिकॉर्ड रखने का प्रस्ताव क्यों है? प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि नियोक्ताओं को हर अमेरिकी आवेदक का रिकॉर्ड रखना होगा, हर रिजेक्शन की वजह बतानी होगी और यह प्रमाणित करना होगा कि पद विदेशी कर्मचारी के लिए पहले से तय नहीं था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।